PRN: MCN/329/2025-2027
http://www.swarnimpradesh.in
http://epaper. swarnimpradesh.in
Email- swarnimpradesh@yahoo.com

दैनिक स्वर्णिम प्रदेश

संरक्षकः मां वैष्णों देवी

* वर्षः 08 * अंक : 127 * मुंबई, बुधवार, 29 अक्टूबर 2025 * पेजः 6 * मूल्यः 2 रुपये * संपादकः सुनील कुमार तिवारी

विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें

अगर आप अपने विशेष अवसरों को खास बनाना चाहते हैं या महत्वपूर्ण सूचनाओं को व्यापक जनता तक पहुँचाना चाहते हैं, तो दैनिक स्वर्णिम प्रदेश आपके लिए सही मंच है। चाहे जन्मदिन की बधाई हो, शादी की सालगिरह, गुमशुदगी की सूचना, कानूनी नोटिस या कोई अन्य व्यक्तिगत और व्यावसायिक विज्ञापन, हम आपके संदेश को सही तरीके से पहुंचाने में मदद करेंगे। आपके विज्ञापन से समाचार पत्र को आर्थिक सहायता प्राप्त होगी, जो इसे और बेहतर सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगी।
संपर्कः ईमेलःswarnimpradesh@yahoo.com
या वाट्सऐप नं. 8898271111

महागठबंधन का घोषणा पत्र जारी

'तेजस्वी प्रण' में हर घर नौकरी, भूमिहीनों को जमीन और फ्री बिजली का वादा

संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव अभियान के बीच महागठबंधन ने मंगलवार को पटना के मौर्या होटल में अपना संयुक्त घोषणा पत्र जारी किया। इसे 'तेजस्वी प्रण पत्र' नाम दिया गया है, जिसमें महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव के नेतृत्व में अगले पांच वर्षों के लिए विकास का रोडमैप शामिल है। घोषणा पत्र में विशेष रूप से युवाओं, महिलाओं, किसानों और वंचित वर्गों को लक्षित करते हुए कई महत्वाकांक्षी वादे किए गए हैं। कार्यक्रम में राजद, कांग्रेस, वाम दलों सहित सभी सहयोगी दलों के शीर्ष नेता मौजूद रहे। आरजेडी की ओर से तेजस्वी यादव, कांग्रेस के मदन मोहन झा, वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी, भाकपा-माले के दीपांकर भट्टाचार्य एवं सीपीआई के रामनरेश पांडे सहित अन्य नेता मंच पर उपस्थित रहे। तेजस्वी यादव ने घोषणा पत्र को 'दिलों का प्रण पत्र' बताते हुए कहा कि गठबंधन जनता से किए गए वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। (**शेष पेज २ पर**)

पुणे के इंदापुर में नए मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की स्थापना के लिए उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने दिए निर्देश

संवाददाता

मुंबई। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने महाराष्ट्र पशु एवं मत्स्य विश्वविद्यालय को पुणे जिले के इंदापुर में एक नए मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की स्थापना हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। उपमुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रालय स्थित समिति कक्ष में मंगलवार को इस संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरणे, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री माणिकराव कोकाटे, वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ओ.पी.गुप्ता, कृषि विभाग के प्रधान सचिव विकास चंद्र रस्तोगी, योजना विभाग के प्रधान सचिव सौरभ विजय, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग के सचिव डॉ.रामास्वामी एन., मत्स्य आयुक्त किशोर तावड़े, डॉ. बालासाहेब सावंत कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति शंकरराव मगर उपस्थित थे। साथ ही, पुणे संभागीय अपर आयुक्त डॉ. स्वाति देशमुख, जिला कलेक्टर जितेंद्र डूडी और महाराष्ट्र पशु एवं मत्स्य विश्वविद्यालय के कुलपति नितिन पाटिल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि विकसित महाराष्ट्र २०४७ के विज़न डॉक्यूमेंट में मत्स्य पालन विकास पर (**शेष पेज २ पर**)

पूर्ण कृषि ऋण माफी की मांग पर किसानों का आंदोलन तेज, नागपुर में 'महा एल्गार ट्रैक्टर मार्च' से यातायात ठप

संवाददाता

नागपुर। महाराष्ट्र में पूर्ण कृषि ऋण माफी की मांग फिर से जोर पकड़ रही है और किसान सड़कों पर उतरकर अपना आक्रोश जताने लगे हैं। प्रहार जनशक्ति पार्टी के नेता और पूर्व विधायक बच्चू कडू ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अब लड़ाई सड़कों पर लड़ी जाएगी और किसानों की आवाज़ दबाना सरकार के लिए नामुमकिन होगा। कडू ने चेतावनी दी कि यदि किसानों से किए गए वादे पूरे नहीं हुए, तो राज्यव्यापी आंदोलन और तीव्र रूप लेगा। नागपुर में आयोजित 'महा एल्गार ट्रैक्टर मार्च' में राज्य के विभिन्न जिलों से आए हजारों किसानों ने भाग लिया। हाथों में तख्तियां और नारों के साथ किसानों ने सरकार के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया। किसानों के अधिकार हमारा जन्मसिद्ध अधिकार' और 'कर्जमाफी के बिना चैन नहीं' जैसे नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। आंदोलन के कारण वर्धा, चंद्रपुर और हैदराबाद की ओर जाने वाला यातायात पूरी तरह बाधित रहा। बुटीबोरी से जामथा मार्ग बंद हो गया और मिहान पुल के नीचे भारी जाम लग गया। परिणामस्वरूप, नागपुर शहर के कई हिस्सों में कई घंटों तक यातायात ठप रहा। प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने भारी बंदोबस्त किया। इस आंदोलन के बाद महाराष्ट्र के किसान संगठनों को नई ऊर्जा मिलती दिखाई दे रही है, जो आने वाले दिनों में और बड़े प्रदर्शनों का संकेत देती है।

मुंबई में 150 नई इलेक्ट्रिक बसें हुई शामिल

'बेस्ट' बेड़े में 100 प्रतिशत पर्यावरण-अनुकूल वाहनों का लक्ष्य

संवाददाता

मुंबई। मुंबई में सार्वजनिक परिवहन को अधिक उन्नत और पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मंगलवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं परिवहन (बेस्ट) के बेड़े में शामिल १५० नई इलेक्ट्रिक बसों का कोलाबा स्थित डिपो में शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, विधानसभा अध्यक्ष एडवोकेट राहुल नार्वेकर, कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, सांस्कृतिक कार्य मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार, मुंबई महानगरपालिका आयुक्त भूषण गगरानी, बेस्ट की महाप्रबंधक सोनिया सेठी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

समारोह में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि भविष्य में बेस्ट का पूरा बेड़ा पर्यावरण-अनुकूल बसों का होगा। ५ हजार बसों की खरीद का निर्णय पहले ही लिया जा चुका है, जिन्हें चरणबद्ध रूप से शामिलकिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुंबई वन ऐप के माध्यम से सभी सार्वजनिक परिवहन सेवाओं के लिए एकीकृत टिकट प्रणाली लागू की गई है, जिससे यात्रियों को एक ही प्लेटफार्म से सभी यातायात सेवाओं का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री के अनुसार राजस्व में वृद्धि के साथ बेस्ट आर्थिक दृष्टि से और अधिक सक्षम बनेगा तथा इसके लिए व्यावसायिक दृष्टिकोण को मजबूत करना आवश्यक है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार और बृहन्मुंबई महानगरपालिका हर संभव सहयोग प्रदान करेगी। कर्मचारियों के हित में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड अवधि के दौरान लंबित लाभ निधि का वितरण किया गया है और इस वर्ष बेस्ट कर्मचारियों को बीएमसी कर्मचारियों के बराबर बोनस प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी संतुष्ट रहेंगे तो यात्री सेवाओं की गुणवत्ता स्वतः ही बढ़ेगी।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि बेस्ट और उपनगरीय रेल मुंबई के जीवन की दो प्रमुख धमनियाँ हैं। नागरिकों की सुखद यात्रा के लिए ३,५०० करोड़ रुपये का कोष उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने बताया कि मुंबई के अंतरराष्ट्रीय स्वरूप को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को निरंतर आधुनिक बनाया जा रहा है। कोस्टल रोड, अटल सेतु, मेट्रो, उन्नत सड़कों और पुलों ने यात्रा को अधिक तीव्र और (**शेष पेज २ पर**)

सोलापुर-तुलजापुर-धाराशिव रेल लाइन परियोजना के लिए कैबिनेट ने 3,295.74 करोड़ रुपये का बजट किया मंजूर

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र की कैबिनेट की बैठक में सोलापुर-तुलजापुर-धाराशिव नई ब्रॉडगेज रेलवे लाइन परियोजना के लिए ३,२९५.७४ करोड़ रुपये के संशोधित बजट को मंजूरी दी गई।

मंगलवार को बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की। परियोजना की लागत का ५० प्रतिशत, यानी १,६४७.८७ करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि को राज्य सरकार के हिस्से के रूप में मंजूरी दी गई। इस परियोजना से साढ़े तीन शक्तिपीठों में से एक तुलजापुर शहर, शक्तिपीठ रेलवे लाइन से जुड़ जाएगा, जिससे विभिन्न राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं को यात्रा में सुविधा होगी। राज्य सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में रेलवे परियोजनाओं को गति देने के लिए ५० प्रतिशत वित्तीय भागीदारी की नीति अपनाई है। तुलजापुर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु तुलजा भवानी माता के दर्शन के लिए आते हैं। इस परियोजना के तहत सोलापुर-तुलजापुर-उस्मानाबाद रेलवे लाइन को ब्रॉडगेज किया जा रहा है। १० फरवरी, २०२३ के सरकारी निर्णय के अनुसार, परियोजना की प्रारंभिक स्वीकृति ४५२.४६ करोड़ रुपये की थी। विभिन्न कारणों से लागत बढ़ जाने पर रेल प्रशासन ने ३,२९५.७४ करोड़ रुपये का संशोधित बजट प्रस्तुत किया, जिसमें राज्य सरकार के हिस्से के रूप में १,६४७.८७ करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। यह धनराशि चरणों में केंद्र सरकार को उपलब्ध कराई जाएगी।

डिजाइनर ब्लाउज समय पर न देने पर टेलर को कोर्ट ने मुआवजा देने का दिया आदेश

संवाददाता

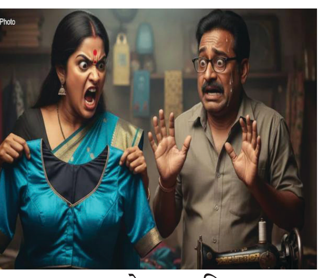

अहमदाबाद। अहमदाबाद में नवरंगपुरा स्थित सोनी डिजाइनर शॉप के मालिक हरेश को अपनी शादी के लिए समय पर ब्लाउज न देने के कारण उपभोक्ता अदालत ने मुआवजा देने का आदेश दिया है। पूनमबेन पारिया ने अपनी शादी के लिए ४,३९५ रुपये का अग्रिम भुगतान किया था, लेकिन ब्लाउज समय पर नहीं मिलने के कारण उनकी शादी का माहौल प्रभावित हुआ और उन्हें मानसिक पीड़ा हुई। इसके बाद महिला ने उपभोक्ता अदालत और अहमदाबाद के अतिरिक्त न्यायालय में शिकायत दर्ज कर मुआवजे की मांग की, जिसमें रसीद, शादी के कार्ड और अन्य दस्तावेज़ सबूत के रूप में पेश किए गए। सुनवाई के बाद अदालत ने आदेश दिया कि मालिक हरेश मूल राशि ४,३९५ रुपये ७ प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ लौटाए, मानसिक उत्पीड़न के लिए ५,००० रुपये और कानूनी खर्च के रूप में २,००० रुपये का भुगतान करे। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि आदेश जारी होने की तारीख से ४५ दिनों के भीतर पूरी राशि भुगतान की जाए और भुगतान की जानकारी अदालत को दी जाए। इस फैसले से सेवा प्रदाताओं को स्पष्ट संदेश गया है कि अग्रिम भुगतान लेने के बाद समय पर सेवा प्रदान करना उनकी जिम्मेदारी है, और इसमें लापरवाही मानसिक उत्पीड़न सहित भारी मुआवजे का कारण बन सकती है।

भ्रष्टाचार में लिप्त एफडीए आईबी अधिकारी पर मंत्री कार्यालय का आशीर्वाद?

व्यापारियों पर छापे, जब्ती और जबरन वसूली का आरोप, मुखिया रहा अनजान

संवाददाता

मुंबई। राज्य भर से शिकायतें मिल रही हैं कि खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) की खुफिया शाखा (आईबी) के अधिकारी बड़े पैमाने पर व्यापारियों को लूट रहे हैं। नासिक से लेकर ठाणे, उल्हासनगर, नवी मुंबई और भिवंडी तक व्यापारियों ने इन अधिकारियों के खिलाफ आवाज उठाई है और एक व्यापारी ने सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय से शिकायत की है। संबंधित अधिकारियों पर एक मंत्री के नाम पर पैसे मांगने का आरोप है। शिकायत के अनुसार, ये अधिकारी सीधे मंत्री कार्यालय के संपर्क में हैं और विभाग के आयुक्त और सचिव को कार्रवाइयों की जानकारी तक नहीं है। और चर्चा है कि मंत्री कार्यालय का प्रभु पूरी व्यवस्था को नियंत्रित कर रहा है।

भिवंडी में करोड़ों की कार्रवाई

भिवंडी स्थित एक प्रसिद्ध रिटेल चेन के गोदाम से मांगी गई रकम न चुकाने पर सतर्कता शाखा के इन अधिकारियों ने लेबल में मामूली खामियां बताकर करोड़ों रुपये का खाद्य तेल ज़ब्त कर लिया। शिकायत में कहा गया कि यह कार्रवाई पूरी तरह फर्जी थी और वसूली का दबाव बनाने के लिए की गई थी।

ठाणे, नवी मुंबई और उल्हासनगर में भी छापे

मांगी गई रकम न देने पर उल्हासनगर, ठाणे और नवी मुंबई के खाद्य तेल विक्रेताओं पर कथित तौर पर 'मंत्रालयी आदेश' के तहत छापे मारे गए और कारखानों व दुकानों से लाखों रुपये का स्टॉक बिना किसी वैध कारण के ज़ब्त कर लिया गया। पहले एक प्रसिद्ध मिठाई विक्रेता से बड़ी रकम की मांग की गई। भुगतान न करने पर

उसकी एक दुकान को सील कर दिया गया। बाद में भुगतान होने पर कोई कार्रवाई नहीं की गई, ऐसा शिकायत में कहा गया है।

नवी मुंबई से मीरा-भायंदर तक नेटवर्क

शिकायतों में आरोप है कि न्यूट्रास्युटिकल और खजूर विक्रेताओं से भी लाखों रुपये जबरन वसूले गए। मीरा-भायंदर और नवी मुंबई के कई व्यापारियों से वसूली के सबूत सामने आए हैं। व्यापारियों का कहना है कि यह सब 'मंत्री जी के आशीर्वाद' से हो रहा है।

मुखिया को जानकारी नहीं

गौरतलब है कि विभाग के मुखिया होने के बावजूद आयुक्त को इन छापों की कोई प्रत्यक्ष जानकारी नहीं दी गई। इससे स्पष्ट है कि संबंधित अधिकारी आयुक्त और सचिव के नियंत्रण से बाहर काम कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि मंत्री कार्यालय के कुछ लोग इन अधिकारियों के जरिए फर्जी छापे और ज़ब्ती करवाते हैं।

गुटखा माफियाओं को संरक्षण

महाराष्ट्र सरकार ने करोड़ों के राजस्व की परवाह किए बिना नागरिकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए गुटखा और सुगंधित तंबाकू पर प्रतिबंध लगाया है। लेकिन एफडीए अधिकारी इसमें भी घोटाले कर रहे हैं। परिणामस्वरूप आज भी पूरे महाराष्ट्र में गुटखे की बड़े पैमाने पर सप्लाई जारी है। विशेषकर मुंबई और ठाणे में करोड़ों रुपये का अवैध गुटखा कारोबार चल रहा है। फिर भी आईबी में कार्यरत एफएसओ किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं कर रहे। सूत्र बताते हैं कि आईबी में कार्यरत कुछ एफएसओ और मुंबई में तैनात एक सहायक आयुक्त गुटखा माफियाओं के नेटवर्क में शामिल हैं। इसमें एफडीए मंत्री कार्यालय की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता। यह गंभीर विषय है, जिसकी जांच एसआईटी से होना आवश्यक है।

व्यापारी के गंभीर आरोप

तेल व्यापारी प्रकाश पटेल ने कहा कि आईबी कोकण मण्डल में कार्यरत एफएसओ उत्तरेश्वर बडे दिनांक ९ अक्टूबर २०२५ को नाशिक में आया और एफ़एसओ अश्वनी पाटिल के साथ कुछ अन्य अधिकारी उनके पास पैसे मांगने आए थे। उन्होंने दावा किया कि उन्हें मंत्री नरहरि जिरवाल ने भेजा है। पटेल के अनुसार, उन्होंने पैसे देने से इनकार किया और इस संबंध में जिरवाल, आयुक्त राजेश नार्वेकर, प्रधानमंत्री कार्यालय व लोकायुक्त को शिकायत की है। उन्होंने नासिक के एक कार्यक्रम में मंत्री को ज्ञापन भी दिया है, लेकिन कोई कार्रवाई होती नजर नहीं आ रही।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से जांच व कठोर कार्रवाई की मांग

पटेल का कहना है कि मुंबई-ठाणे के कई व्यापारियों का शोषण एफएसओ उत्तरेश्वर बडे और माणिक जाधव ने किया है।

व्यापारी डर के चलते चुप रहते हैं, लेकिन उन्हें कई लोगों के फोन आए और सभी ने अपनी आपबीती बताई है। उन्होंने कहा कि सरकार गुप्त जांच कराए और व्यापारियों के भीतर भय को समाप्त करे। यह मामला सामने आने के बाद एफडीए आयुक्त राजेश नार्वेकर ने कहा कि उन्हें शिकायत मिली है और विभाग इसकी गहन जांच करेगा। जांच के बाद यदि कोई दोषी पाया जाता है तो कार्रवाई निश्चित रूप से की जाएगी। वहीं अब इस मामले में तेल व्यापारी प्रकाश पटेल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से पूरे प्रकरण की जांच कर कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि यह नेटवर्क सीधे एफडीए मंत्री कार्यालय तक जुड़ा हुआ प्रतीत होता है, इसलिए निष्पक्ष जांच अत्यंत आवश्यक है।

संपादकीय

नेल्ली न दोहराएं असम सरकार!

अगले वर्ष यानी २०२६ के मार्च–अप्रैल में असम विधानसभा के चुनाव होने हैं। २ मई २०२६ को वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल खत्म होगा। जहरैली जुबां के लिए असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा आज से ४२ साल पूर्व, असम के नेल्ली में हुए नरसंहार की रिपोर्ट विधानसभा में रखने का मन बना चुके हैं। इसके पूर्व १९८६–१९९० के दौरान एक बार सदन में यह कथित जांच रिपोर्ट पेश की गई थी, लेकिन हंगामे के चलते पास नहीं हो पाई थी। अप्रैल १९८४ में रिपोर्ट सबमिट की गई थी। १९८६ में असम गण परिषद ने चुनाव जीतकर सरकार बनाई थी। कहा जा रहा है कि विधानसभा लाइब्रेरी में रिपोर्ट की कोई कॉपी उपलब्ध नहीं है। उक्त कथित रिपोर्ट पर जांचकर्ता आयोग के अध्यक्ष तिवारी के हस्ताक्षर न होने के बहाने बीजेपी सरकार इतने वर्षों तक सदन में रिपोर्ट पेश न कर सकने का बहाना बता रही है। अब मुख्यमंत्री कहते हैं, हमने उस समय के अधिकारियों के इंटरव्यू और फोरेंसिक जांच के जरिए इसकी पुष्टि की है। सवाल यह है कि क्या ४२ साल पूर्व रहे अधिकारी आज तक जीवित होंगे? दरअसल, सरकार- जुबिन गर्ग जैसे विख्यात गायक की हत्या से जनता का ध्यान हटाने के लिए झूठे गड़े मुर्दे उखाड़कर असम की शांति और सांप्रदायिक सौहाद्र को कुरेड़ा चाहती है जो गर्ग के निधन के बाद कम हो गया था। गर्ग के गीत हर वर्ग, संप्रदाय के लोग प्रेम से सुनते आए हैं। गर्ग की मृत्यु ने असमवासियों को झकझोर कर रखा था। आपसी सौहाद्र कायम हो चुका था। मतों के ध्रुवीकरण के लिए ही मुख्यमंत्री काल्पनिक आधार पर नेल्ली नरसंहार की कथित रिपोर्ट सदन में पेश करना चाहते हैं, ताकि बंगाली, हिंदू, मुसलमानों के प्रति बदले की भावना को चिनगारी लगाई जा सके और वोटों का ध्रुवीकरण कर फिर से सरकार बनाई जा सके। हाल ही में बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद के चुनावों में मुसलमानों और ट्राइबल लोगों ने एकजुट होकर वोट दिया था, जिससे बीपीएफ ने ४० सीटों में से २८ सीटें जीत लीं। जबकि बीजेपी और उसकी सहयोगी यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल की सीटें ९ और १२ से घटकर ५ और ७ रह गईं। निश्चित ही बीजेपी एक बार फिर प्रदेश में कम्युनल बंटवारे का माहौल बनाना चाहती है। विपक्षी नेता कहते हैं कि समझ नहीं आ रहा कि इतनी पुरानी रिपोर्ट अब सार्वजनिक क्यों की जा रही है, जबकि ज़ख्म भर चुके हैं। जिसे कुरेदकर फिर से अलगाव की राजनीति करनी है। जुबिन गर्ग की मौत ने सभी धर्मों के लोगों में शोक पैदा कर एकजुटता मजबूर की; यही एकजुटता और सांप्रदायिक सौहाद्र मुख्यमंत्री और उनकी सरकार के लिए खतरे का कारण बन गया है। आरोप है कि विधानसभा चुनाव के पूर्व लोगों को भड़काने का कार्य किया जा रहा है। जब लोग नेल्ली क्षेत्र में सद्भावना के साथ जी रहे हैं, तब रिपोर्ट सदन में पेश कर उस सद्भावना को तोड़कर निजी स्वार्थ में प्रयोग क्यों किया जा रहा है?

तिवारी ने जांच कर ५४७ पेज की रिपोर्ट तैयार की थी; सैकड़ों गवाहों, अधिकारियों और हर पक्ष के लोगों के इंटरव्यू शामिल थे। उनमें अधिकांश गवाह और अधिकारी अब कालांतर में नहीं रहे होंगे। रिपोर्ट में **AA SU** और ऑल असम गण संग्राम परिषद को हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था, पर रिपोर्ट में यह भी लिखा गया कि नेल्ली नरसंहार- जिसमें बंगाली हिंदू और मुसलमानों की संख्या ३,००० बताई गई थी। कुछ रिपोर्टों में ४,००० से ६,००० तक भी अंकित है। १९८३ में छपी इंडिया टुडे की रिपोर्ट में लिखा गया था कि हिंसा से बचने के लिए सीआरपीएफ़ कैंपों की तरफ भाग रहे लोगों में महिलाएँ और बच्चे पीछे छूट गए थे, जिनका संहार कर दिया गया था। मरने वालों में ७० प्रतिशत महिलाएँ और २० प्रतिशत बुज़ुर्ग बताए गए थे। उस समय की प्रेस रिपोर्टों के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा था कि हमलावरों का नेतृत्व **AASU** के नेताओं द्वारा किया जा रहा था; वे नहीं चाहते थे कि कोई मुसलमान-हिंदू जो पश्चिमी बंगाल या बांग्लादेश से आया हो बचा रहे। गाँव–गाँव जलाकर राख कर दिए गए, हमलावर गड़ासे, तीर लिए हुए भीड़ के रूप में आए और आते ही लोगों को काटना शुरू कर दिया। मज़ेदार बात यह है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने चुनाव कराकर शांति बहाल करने की कोशिश की। उन्होंने असम गण संग्राम परिषद पर आरोप लगाए कि वे वार्ता की मेज़ से भागे और हिंसक रास्ता अपनाया, जबकि राजीव गांधी के समय केंद्र सरकार और असम गण संग्राम परिषद के बीच समझौता हुआ था। इतनी पुरानी घटना के ज़ख्म कुरेदकर राजनीति की रोटी सेकने के लिए ही बीजेपी बुझ चुकी आग को कुरेदना चाहती है, क्योंकि उसे लगता है कि असम के आदिवासी, बंगला-भाषी हिंदू और मुसलमान एकजुट हो चुके हैं। जिससे विधानसभा चुनाव में हार का डर स्पष्ट दिख रहा है। इसलिए ध्रुवीकरण के लिए एक बार फिर असम को जलाने की कोशिश मणिपुर जैसी परिस्थितियाँ दोहरा सकती है।

पेज 1 का शेष...

महागठबंधन का घोषणा...

घोषणा पत्र में निम्नलिखित मुख्य घोषणाएं शामिल हैं:

- प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का अधिनियम सरकार गठन के २० दिनों के भीतर लागू किया जाएगा तथा २० महीनों में रोजगार प्रक्रिया पूरी की जाएगी।
- जीविका दीदियों को स्थायी सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाएगा और ३०,००० रुपये मासिक वेतन सुनिश्चित होगा।
- जीविका कैडर दीदियों को प्रतिमाह २,००० रुपये का भत्ता तथा केंद्र पदाधिकारियों को मानदेय दिया जाएगा।
- जीविका समूहों के ऋण पर ब्याज माफ किया जाएगा और दो वर्ष तक ब्याजमुक्त ऋण सुविधा मिलेगी।
- सभी संविदा एवं आउटसोर्सिंग कर्मियों का स्थायीकरण किया जाएगा।
- आईटी, कृषि, डेयरी, स्वास्थ्य सेवा, नवीकरणीय ऊर्जा, पर्यटन आदि क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर कौशल आधारित रोजगार सृजित किए जाएंगे।
- २००० एकड़ में शैक्षणिक नगरी (एजुकेशनल सिटी) विकसित की जाएगी।
- माई-बहिन योजना के अंतर्गत महिलाओं को प्रतिमाह २,५०० रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी।
- सामाजिक सुरक्षा पेंशन १,५०० रुपये प्रतिमाह की जाएगी, जिसमें हर वर्ष २०० रुपये की वृद्धि होगी।
- २०० यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध होगी।
- पुरानी पेंशन योजना को पुनः लागू किया जाएगा।
- भूमिहीन परिवारों को ५ डिसमिल जमीन का स्वामित्व दिया जाएगा।

विपक्ष पर हमलाः तेजस्वी यादव ने कहा कि कुछ बाहरी ताकतें बिहार को 'उपनिवेश' में बदलना चाहती हैं, किंतु महागठबंधन इसे सफल नहीं होने देगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को 'सिर्फ पुतला' बनाकर रखा है, जबकि स्वयं यह भी स्पष्ट नहीं किया जा रहा कि एनडीए का मुख्यमंत्री चेहरा कौन होगा। उन्होंने दावा किया कि जनता बदलाव के लिए तैयार है और इस बार 'वोट चोरी' नहीं होने देगी।

युवाओं और प्रवास पर जोर

तेजस्वी यादव ने कहा कि सरकार बनने के बाद बिहार के युवाओं को रोजगार के लिए राज्य छोड़ने की मजबूरी समाप्त की जाएगी। उन्होंने छठ पर्व का संदर्भ देते हुए प्रार्थना की कि बिहार विकास के नए शिखर छुए। वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने घोषणा पत्र को 'नए बिहार की नींव रखने वाला दस्तावेज' बताया और कहा कि एनडीए के पास विजन का अभाव है। भाकपा-माले नेता दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि मंडी व्यवस्था पुनः शुरू करने, वरिष्ठ नागरिकों की पेंशन ३,००० रुपये करने और पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने जैसे वादों को सरकार बनते ही आरोपित किया जाएगा।

पुणे के इंदापुर में नए मत्स्य...

विशेष ज़ोर दिया गया है। इंदापुर से लगभग छह किलोमीटर दूर स्थित उजनी बांध की भंडारण क्षमता लगभग ११७ टीएमसी है और इसका बैकवाटर ल गभग ७०-८० किलोमीटर फैला हुआ है। इस क्षेत्र में मीठे पानी की निर्यात योग्य मछलियाँ उपलब्ध हैं और यहाँ बड़ी मात्रा में मछली पकड़ने का काम होता है।

अजित पवार ने बताया कि यदि इंदापुर में यह महाविद्याल य स्थापित किया जाता है, तो पूरे महाराष्ट्र में मछली के बीज उपलब्ध कराना संभव होगा। इसके अतिरिक्त, इंदापुर, बारामती, दौंड और पुरंदर क्षेत्रों में मौजूद तालाबों का उपयोग किसान मछली पालन के लिए कर सकते हैं, जिससे मत्स्य पालन उद्योग में वृद्धि और स्थानीय किसानों को लाभ मिलेगा।

मुंबई में 150 नई इलेक्ट्रिक...

सुगम बनाया है। उन्होंने यह भी कहा कि सफाई कर्मी शहर के स्वास्थ्य की रक्षा करने वाले सच्चे नायक हैं और सरकार उनके बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए योजनाएं लागू कर रही है। नई शुरू की गई इलेक्ट्रिक बसें १२ मीटर लंबाई की पूर्णतः वातानुकूलित, शून्य उत्सर्जन तकनीक से लैस हैं। इनका संचालन वेट लीज मॉडल पर किया जाएगा। ये १५० बसें मुंबई के २१ मार्गों पर चलेंगी और २१ वार्डों की कनेक्टिविटी को मजबूत करेंगी। इन बसों के संचालन की गुणवत्ता की निगरानी विशेष गुणवत्ता नियंत्रण केंद्र द्वारा की जाएगी। अंधेरी, जोगेश्वरी, कुर्ला, बांद्रा, कांदिवली और बोरीवली जैसे प्रमुख रेलवे स्टेशनों को इन मार्गों से बेहतर रूप से जोड़ा जाएगा। कोलाबा डिपो के साथ ओशिवारा और गोरेगांव स्थित डिपो में भी इन पर्यावरण-अनुकूल बसों का शुभारंभ किया गया। अनुमान है कि लगभग १.९ लाख यात्रियों को प्रतिदिन सुरक्षित, स्वच्छ और आरामदायक यात्रा सुविधा प्राप्त होगी। शुभारंभ कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने बस संख्या ४०६८ में सवार होकर यात्रा के दौरान इसके तकनीकी व यात्री सुविधाओं की समीक्षा भी की। बेस्ट प्रबंधन का मानना है कि इन इलेक्ट्रिक बसों से न सिर्फ प्रदूषण में कमी आएगी बल्कि मुंबई में सतत और उच्च गुणवत्ता वाली सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को नई गति प्राप्त होगी।

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए महाराष्ट्र में नानाजी देशमुख कृषि संजीवनी परियोजना 2.0 लागू, किसानों के लिए डीबीटी प्रणाली शुरू

संवाददाता

मुंबई। जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों से राज्य की कृषि उत्पादन प्रणाली गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। शुष्क भूमि का उच्च प्रतिशत, अनियमित वर्षा, बेमौसम बारिश और बढ़ते तापमान के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों में महाराष्ट्र सरकार ने विश्व बैंक के सहयोग से नानाजी देशमुख कृषि संजीवनी परियोजना २.० को लागू करने का निर्णय लिया है। मंगलवार को मंत्रालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और कृषि मंत्री दत्तात्रय भरणे की उपस्थिति में परियोजना अंतर्गत प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल, चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ, उद्योग मंत्री उदय सामंत, जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन, कृषि राज्य मंत्री एडवोकेट आशीष जायसवाल, मुख्य सचिव राजेश कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। राज्य सरकार द्वारा लागू की जा रही इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत किसानों को सिंचाई, जल प्रबंधन, टपक प्रणाली, कृषि तालाब, जैविक खाद उत्पादन, बागबानी, वृक्षारोपण, संरक्षित खेती, बीज उत्पादन और रेशम पालन जैसी गतिविधियों हेतु वित्तीय सहायता डीबीटी के माध्यम से सीधे प्रदान की जाएगी। ५ हेक्टेयर तक भूमि वाले किसान इस लाभ के पात्र होंगे, जबकि बीज उत्पादन हेतु भूमि सीमा की कोई बाध्यता नहीं होगी। भूमिहीन, विधवा, तलाक शुदा एवं परित्यक्त महिलाओं को आजीविका आधारित योजनाओं के अंतर्गत बकरी पालन और पिछवाड़े मुर्गीपाल न के लिए सहायता दी जाएगी। किसान आवेदन कृषि विभाग के 'महाविस्टार एआई' मोबाइल ऐप या **[www. dbt-ndksp.mahapocra.gov.in](http://**

www.dbt-ndksp.mahapocra.gov.in) पोर्टल पर ऑनलाइन कर सकेंगे। परियोजना के माध्यम से किसान समूहों और कंपनियों को भी कृषि प्रसंस्करण, भंडारण, कृषि उपकरण उपलब्धता और वित्तीय निवेश हेतु सहायता प्रदान की जाएगी। सरकार का मानना है कि यह परियोजना खेती को जलवायु अनुकूल बनाने, जोखिम घटाने और किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में सहायक होगी। कृषि मंत्री दत्तात्रय भरणे ने कहा कि यह परियोजना जल संरक्षण, जैविक खेती, प्राकृतिक खेती और सूक्ष्म सिंचाई के विस्तार के साथ-साथ कृषि में युवाओं और महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देगी। उन्होंने बताया कि परियोजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए जिलावार नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 'महाराष्ट्र एआई नीति २०२५-२०२९' के अंतर्गत 'प्रस्ताव हेतु आह्वान' पोर्टल का भी शुभारंभ किया। यह पोर्टल स्टार्टअप, एमएसएमई, किसान उत्पादक संगठन और अनुसंधान संस्थानों को एआई, आईओटी, ड्रोन व अन्य आधुनिक तकनीकों पर आधारित समाधान प्रस्तुत करने के लिए मंच प्रदान करेगा। कृषि मंत्री भरणे ने इसे राज्य की कृषि में तकनीकी परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया और कहा कि एआई आधारित कृषि प्रबंधन राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

संबंधों की टूटती मर्यादा, आखिर दोषी कौन?

डॉ. फ़ौज़िया नसीम शाद

आज जिस तीव्रता के साथ हमारे नैतिक और सामाजिक मूल्यों में गिरावट आ रही है, वह वास्तव में गंभीर चिंता का विषय है। रिश्तों को कलंकित करती घटनाएँ दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं, जो हमारे समाज में अमर्यादित संबंधों की वृद्धि को दर्शाती हैं। ऐसे अवैध रिश्ते न केवल रिश्तों की मर्यादा और गरिमा को आहत करते हैं, बल्कि उन पर हमारे विश्वास की नींव को भी हिला देते हैं।आजकल समाचार पत्रों में प्रतिदिन ऐसी घटनाओं की सुर्खियाँ देखने को मिलती हैं जिन्हें पढ़कर सिर शर्म से झुक जाता है। कहीं सगा मामा भांजी से विवाह कर आत्महत्या कर लेता है, कहीं पिता अपनी पुत्री का यौन शोषण करता है, तो कहीं पति अपनी पत्नी को बेच देता है। ऐसे असंख्य उदाहरण हैं जो रिश्तों की पवित्रता पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। हमारे सभ्य समाज में इन अमर्यादित रिश्तों का कोई स्थान नहीं होना चाहिए, फिर भी इनकी जड़ें धीरे-धीरे फैलती जा रही हैं। यह अत्यंत गंभीर चिंतन का विषय है। वास्तव में जब समाज के नैतिक मूल्यों और आचार नियमों को कुछ दूषित एवं विकृत मानसिकता वाले लोग तोड़ते हैं, तभी ऐसी घटनाएँ सामने आती हैं। परंतु हम केवल कुछ व्यक्तियों की मानसिक विकृति को दोष देकर इससे पल्ला नहीं झाड़ सकते। इस समस्या की उत्पत्ति के अनेक कारण हैं- तेज़ रफ़्तार जीवनशैली, समय का अभाव, आपसी रिश्तों में संवेदनहीनता, संयुक्त परिवारों का विघटन, अश्लील साहित्य, इंटरनेट पर सहजता से उपलब्ध पोर्न साइट्स, टीवी और वेब सामग्री की अशाल ीनता, सीमित घरेलू परिवेश, तथा परिवार में बच्चों के साथ संवाद की कमी आदि।इसके अतिरिक्त, बच्चों को रिश्तों का महत्व और मर्यादा न सिखाना भी इस समस्या को बढ़ाने वाला प्रमुख कारण है। समाज में ऐसे रिश्तों का अस्तित्व न पनपे, इसके लिए हमें रिश्तों की गरिमा और मर्यादा का विशेष ध्यान रखना होगा। परिवार में बच्चों को संस्कारित करना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें रिश्तों के सम्मान का अर्थ भी समझाना होगा। बच्चों से हर विषय पर खुलकर संवाद स्थापित करना आवश्यक है। सैक्स से जुड़े प्रश्नों का शालीनता के साथ तार्किक उत्तर देना चाहिए, न कि भ्रमित कर उनकी जिज्ञासाओं को और बढ़ाना। बच्चे अपने माता-पिता का आईना होते हैं, अतः यह हमारा कर्तव्य है कि उनके समक्ष अमर्यादित वार्तालाप या व्यवहार से बचें, क्योंकि ऐसा करने से उनके कोमल मन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अंततः यह याद रखना चाहिए कि समाज बनता हमसे ही है, इसलिए अगर हम अपने घर से ही नैतिकता, मर्यादा और सम्मान का वातावरण बनाएँगे, तो समाज की दिशा अवश्य सुधरेगी।

एल.आई.सी

भारतीय जीवन बीमा से संबंधित किसी भी जानकारी या समस्या समाधान हेतु संपर्क करें।

-भारत सिंह

मो.9967255741

महत्वपूर्ण सूचना

विज्ञापन प्रति के स्वीकृति पूर्व एहतियातन बरती जाने के बावजूद, उसमें अंतर्भूत बाते जांचना संभव नहीं है। ऐसी अंतर्भूत बातों के लिए दैनिक **स्वर्णिम प्रदेश** के अंतर्गत समाचार पत्र या प्रकाशनों में आनेवाली कंपनियां, संस्थाए या व्यक्तिगत विज्ञापनों के साथ हुए किसी भी प्रकार के व्यवहार के लिए समाचार पत्र जिम्मेदार नहीं है।

मेषः आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा और काम तेजी से आगे बढ़ेंगे। कोई नया प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए अच्छा दिन। साथी के साथ रोमांटिक पल बिताने का मौका मिलेगा। पेट में हल्की तकलीफ हो सकती है, ध्यान रखें।

वृषभः आर्थिक मामले मजबूत रहेंगे। रुका हुआ पैसा मिल सकता है। घरेलू जिम्मेदारियों में व्यस्त रहेंगे। रिश्ते में समझ और प्यार बढ़ेगा। कमर और पैरों में दर्द की शिकायत।

मिथुनः कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलेगी, जिसका लाभ आने वाले समय में मिलेगा। संपर्कों का दायरा बढ़ेगा। किसी से खुलकर बात करने से मन हल्का होगा। तनाव से सिरदर्द हो सकता है।

कर्कः खर्च बढ़ सकते हैं, परंतु आय भी अच्छी रहेगी। किसी पारिवारिक आयोजन में शामिल हो सकते हैं। पुराने गिले-शिकवे दूर होंगे। भोजन में लापरवाही न करें। धार्मिक कार्यों की रूझान तरफ रहेगा।

सिंहः आज मनचाही सफलता मिलने के योग। नेतृत्व क्षमता उभर कर सामने आएगी। भाग्य का अच्छा साथ। शादीशुदा जीवन में खुशियां बढ़ेंगी। दिल से जुड़े मरीज सावधानी रखें।

कन्याः धैर्य और समझदारी से काम लें। अधिकारियों से वाद-विवाद न करें। साथी के साथ मनमुटाव की स्थिति न बनने दें। ब्लड प्रेशर नियंत्रण में रखें। वहीं अगर किसी काम में अड़चन आ रही है तो धैर्यपूर्वक कार्य को पूर्ण करने का प्रयास करें।

तुलाः कारोबार में प्रगति होगी। किसी पुराने मित्र से मुलाकात मन खुश करेगी। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। थकान और कमजोरी महसूस हो सकती है।

वृश्चिकः आज भाग्य प्रबल रहेगा। बड़े फैसले आपके पक्ष में रहेंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। रोमांटिक लाइफ शानदार रहेगी। शुगर लेवल चेक कराते रहें।

धनुः आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। गैरजरूरी खर्च से बचें। दिल की बात कहने के लिए सही समय नहीं। मानसिक तनाव दूर करने के लिए ध्यान करें।

मकरः आज करियर में तरक्की के मौके मिलेंगे। अधिकारी आपसे खुश रहेंगे। रिश्ते में नई ऊर्जा और उत्साह बढ़ेगा। बदन दर्द से राहत मिलेगी।

कुंभः नए अवसर मिलेंगे। रचनात्मक काम सफल होंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पार्टनर आपको पूरा सहयोग देगा। नींद पूरी न होने से चिड़चिड़ापन हो सकता है। किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं।

मीनः धन लाभ के योग। पुराने किसी काम का लाभ मिलेगा या कोई अच्छी खबर मिल सकती है। रिश्ते में भावनात्मक जुड़ाव बढ़ेगा। एलर्जी से बचाव करें। क्रोध पर काबू और खर्च पर नियंत्रण रखें। यात्रा पर जाने से बचें।

'दीयों' का रिकॉर्ड और कीचड़ में जिंदगी! योगी सरकार की 'विकास' गाथा! प्रसव पीड़ा से तड़पती रही 'नारी'!

इंद्र यादव

उत्तर प्रदेश, जहां दीयों के रिकॉर्ड बनते हैं, और विकास के ढोल पीटे जाते हैं। लेकिन हमीरपुर जिले के मौदहा ब्लॉक में बसे गऊघाट छानी ग्राम पंचायत के परसदवा डेरा की रेशमा की कहानी इस चमक-दमक के पीछे की स्याह सच्चाई को उजागर करती है। यह कहानी उस २३ वर्षीय गर्भवती महिला की है, जो प्रसव पीड़ा में तड़पती रही, लेकिन 'विकास' के झंडाबरदारों की नजरों से ओझल, उसे बैलगाड़ी पर लिटाकर तीन किलोमीटर का दलदली रास्ता पार करना पड़ा। यह सिर्फ रेशमा की कहानी नहीं, बल्कि उन ५००-६०० ग्रामीणों की हकीकत है, जो आजादी के ७८ साल बाद भी सड़क, स्वास्थ्य और सम्मान की बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। रविवार की सुबह, जब रेशमा प्रसव पीड़ा से कराह रही थी, उनके वृद्ध ससुर कृष्ण कुमार केवट ने एंबुलेंस को फोन किया। लेकिन 'विकास' की गंगा में डूबा प्रशासन इतना व्यस्त था कि एंबुलेंस चालक ने खराब रास्ते का बहाना बनाकर आने से इनकार कर दिया। मजबूरी में पुरानी बैलगाड़ी निकली—वही बैलगाड़ी, जो शायद आजादी से पहले भी गांव की गलियों में दौड़ती थी। कीचड़, कांटों और झाड़ियों से भरे रास्ते पर रेशमा को लिटाकर यह यात्रा शुरू हुई। बैलगाड़ी बार-बार दलदल में फंसी, रेशमा का दर्द बढ़ता गया, लेकिन ससुर का हौसला और मजबूरी ने उन्हें भटुरी तक पहुंचाया, जहां जाकर एंबुलेंस मिली। डॉक्टरों ने बताया कि प्रसव में दो दिन बाकी हैं, और रेशमा को घर लौटना पड़ा। लेकिन सवाल यह है—क्या यह सिर्फ रेशमा की पीड़ा थी, या उस 'विकास' की पोल, जो दीयों की रोशनी में चमकता है, लेकिन दलदल में डूब जाता है। योगी सरकार दीयों के रिकॉर्ड बनाने में मशगूल है। हर साल दीपोत्सव में लाखों दीये जलाए जाते हैं, गिनीज बुक में नाम दर्ज होता है, और 'विकास' की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होती हैं। लेकिन परसदवा डेरा जैसे गांवों में यह चमक नहीं पहुंचती।

वहां की तीन किलोमीटर की कच्ची सड़क आजादी के बाद से पक्की होने का इंतजार कर रही है। बरसात में यह रास्ता दल दल का मायाजाल बन जाता है, जहां न जिंदगी की गारंटी है, न समय की। रात के अंधेरे में जंगली जानवरों का डर और समय पर इलाज न मिलने का भय ग्रामीणों की जिंदगी का हिस्सा है। ग्रामीण राजेंद्र कुमार का कहना है कि कई बार पंचायत और ब्लॉक अधिकारियों से सड़क की मांग की गई, लेकिन जवाब में सिर्फ आश्वासनों की माला थमाई गई। शायद इन आश्वासनों को भी गिनीज बुक में दर्ज करवाने की तैयारी है!

यह घटना सिर्फ एक सड़क की कमी की कहानी नहीं है। यह उस व्यवस्था की नाकामी है, जो शहरों में फ्लाईओवर बनाती है, लेकिन गांवों में दलदल को ही नियति मान लेती है। यह उस सरकार की असलियत है, जो 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा देती है, लेकिन रेशमा जैसी महिलाओं को बैलगाड़ी पर जिंदगी और मौत के बीच झूलने छोड़ देती है। एक तरफ चांद पर पहुंचने की बातें, दूसरी तरफ गांवों में एंबुलेंस न पहुंचने की मजबूरी। यह कैसा विकास है, जहां दीयों की रोशनी तो करोड़ों में गिनी जाती है, लेकिन सड़क के तीन किलोमीटर भी नहीं बन पाते? यह कैसी प्रगति है, जहां गर्भवती महिला को बैलगाड़ी पर दलदल पार करना पड़ता है, और प्रशासन 'खराब रास्ते' का बहाना बनाकर किनारा कर लेता है।रेशमा की कहानी कोई अपवाद नहीं है। यह उन लाखों ग्रामीणों की साझा पीड़ा है, जो 'विकास' के आंकड़ों में कहीं नहीं दिखते। सरकार के पास दीयों के लिए बजट है, मेगा इवेंट्स के लिए फंड है, लेकिन परसदवा डेरा जैसे गांवों के लिए सड़क का बजट कहां गायब हो जाता है? क्या विकास का मतलब सिर्फ शहरों की चमक और रिकॉर्ड्स की किताबें हैं? क्या ग्रामीण भारत की जिंदगी इतनी सस्ती है कि उसे दलदल में छोड़ दिया जाए? और सबसे बड़ा सवाल—कब तक रेशमा जैसी महिलाएं इस उपेक्षा का दंश झेलेंगी? कब तक बैलगाड़ी ही उनकी जिंदगी का सहारा रहेगी। रेशमा की कहानी एक चेतावनी है। अगर सरकार इस दर्द को नहीं सुनेगी, तो दीयों की चमक कभी ग्रामीण भारत तक नहीं पहुंचेगी। परसदवा डेरा जैसे गांवों को पक्की सड़क, स्वास्थ्य सेवाएं और बुनियादी सुविधाएं चाहिए। यह समय है कि सरकार रिकॉर्ड्स की रेस से बाहर निकले और उन गांवों की ओर देखे, जहां लोग दलदल में जिंदगी जीने को मजबूर हैं। विकास का सपना तभी साकार होगा, जब हर गांव, हर डेरा उसकी रोशनी से जगमगाए।

अन्यथा, दीयों के रिकॉर्ड बनते रहेंगे, और दलदल में जिंदगी तड़पती रहेगी। योगी सरकार को चाहिए कि वह दीपोत्सव की चमक से बाहर निकले और उन अंधेरे रास्तों को रोशन करे, जहां रेशमा जैसी महिलाएं जिंदगी के लिए जूझ रही हैं। विकास का ढोल तभी सार्थक होगा, जब वह दलदल को पार कर हर गांव तक पहुंचे। रेशमा की बैलगाड़ी सिर्फ एक कहानी नहीं, बल्कि एक सवाल है। क्या सरकार इस सवाल का जवाब दे पाएगी, या फिर यह भी आश्वासनों के दलदल में फंसकर रह जाएगा!

दिवाली बाद पहली कैबिनेट बैठक में हंगामा
किसानों की मदद पर मंत्रियों ने अधिकारियों को घेरा

संवाददाता

मुंबई। दिवाली के बाद महायुति सरकार की पहली महत्वपूर्ण कैबिनेट बैठक मंगलवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के दौरान राज्य में बाढ़ और अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों को राहत न मिलने का मुद्दा प्रमुख रहा। सहायता वितरण में लापरवाही के आरोपों पर मंत्रियों और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिससे बैठक का माहौल कुछ समय के लिए तनावपूर्ण बन गया। मुख्यमंत्री फडणवीस के हस्तक्षेप के बाद स्थिति सामान्य हो सकी। मानसून के दौरान विशेष रूप से अगस्त और सितंबर में महाराष्ट्र के कई जिलों में भारी बारिश और बाढ़ से भारी नुकसान हुआ। मराठवाड़ा के बीड, धाराशिव, जालना, लातूर और नांदेड़ जिले सबसे अधिक प्रभावित रहे। पश्चिम महाराष्ट्र के अहिल्यानगर, सोलापुर, पुणे तथा उत्तर महाराष्ट्र के नासिक और जलगांव में भी बाढ़ की स्थिति ने किसानों और नागरिकों को संकट में डाल दिया। फसलें, मवेशी, मकान और खेतों की उर्वर मिट्टी तक नष्ट हो गई। राज्य सरकार ने इस आपदा से जूझ रहे किसानों के लिए ३२,००० करोड़ रुपये के राहत पैकेज की घोषणा की थी और आश्वासन दिया गया था कि दिवाली से पूर्व सहायता राशि सीधे किसानों के खातों में जमा कर दी जाएगी। हालांकि विपक्ष के साथ-साथ सत्ता पक्ष के कुछ मंत्रियों ने भी दावा किया कि किसानों तक मदद नहीं पहुंची और कई प्रभावित परिवारों ने बिना

सरकारी सहायता के दिवाली मनाई। कैबिनेट बैठक में राहत एवं पुनर्वास मंत्री मकरंद आबा पाटिल ने प्रभावित क्षेत्रों में सहायता के वितरण की धीमी गति को लेकर अधिकारियों पर सीधे सवाल खड़े किए। इसी दौरान कई तकनीकी और प्रशासनिक खामियों को लेकर विवाद बढ़ा। मुख्यमंत्री ने मामले को सुलझाते हुए अधिकारियों को राहत वितरण का विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। बैठक के बाद मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि अब तक राज्य में बारिश से प्रभावित ४० लाख किसानों को ८,००० करोड़ रुपये की सहायता वितरित की जा चुकी है। उन्होंने यह भी कहा कि विशेष एजेंडा के रूप में ११,००० करोड़ रुपये के अतिरिक्त वितरण को मंजूरी दे दी गई है, जिसे अगले १५ दिनों के भीतर लाभार्थियों के खातों में जमा कर दिया जाएगा। फडणवीस ने स्पष्ट किया कि राहत कार्यों के लिए धन की किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। किसानों की सहायता में देरी और सरकारी दावों के बीच यह टकराव आगामी राजनीतिक विमर्श को और तीखा बना सकता है।

जापानी प्रतिनिधिमंडल ने झोपड़पट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण का किया दौरा
शहरी पुनर्विकास और पुनर्वसन कार्यों पर हुई विस्तृत चर्चा

संवाददाता

मुंबई। झोपड़पट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण (एसआरए) बृहन्मुंबई कार्यालय में सोमवार को जापान की अर्बन रिनेसांस एजेंसी के एक प्रतिनिधिमंडल ने औपचारिक दौरा किया। इस प्रतिनिधिमंडल में ओकामुरा टोमोहितो(निदेशक, ग्लोबल अफेयर्स विभाग), होरिटा योजी (सेक्शन चीफ) तथा नागामोरी ओकी (प्रोजेक्ट प्रमोशन डिवीजन, ग्लोबल अफेयर्स विभाग) शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल का स्वागत मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. महेंद्र कल्याणकर, उप मुख्य अभियंता रामा मिटकर व झोपड़पट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण के अन्य अधिकारियों ने किया। बैठक के दौरान झोपड़पट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण द्वारा किए जा रहे पुनर्विकास कार्यों और परियोजनाओं की जानकारी साझा की गई। साथ ही जापान की अर्बन रिनेसांस एजेंसी की शहरी विकास एवं पुनर्वास संबंधी कार्यप्रणाली पर भी विस्तृत चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने शहरी पुनर्विकास और झोपड़पट्टी पुनर्वसन क्षेत्र में अनुभव साझा करने और भविष्य में सहयोग के नए अवसर तलाशने पर सहमति व्यक्त की। बैठक को अत्यंत उपयोगी और सार्थक बताया गया, जिससे भविष्य में दोनों देशों के बीच शहरी विकास के क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खुलने की उम्मीद जताई जा रही है।

घाटकोपर में 13 वर्षीय छात्रा को होमवर्क पूरा न करने पर ट्यूशन टीचर ने पीटा, पुलिस ने दर्ज किया मामला

संवाददाता

मुंबई। घाटकोपर क्षेत्र में एक चिंताजनक घटना सामने आई है, जहां एक १३ वर्षीय क्लास ८ की छात्रा को दिवाली की छुट्टियों का होमवर्क पूरा न करने पर उसकी ट्यूशन टीचर द्वारा कथित रूप से डंडे से पीटा गया। पुलिस ने आरोपी टीचर लक्ष्मी खड़का के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता **(BNS)** और जुवेनाइल जस्टिस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी को पूछताछ के लिए जल्द ही तलब किया जाएगा। शिकायत के मुताबिक, पीड़िता एक हिंदी माध्यम स्कूल में पढ़ती है और प्रतिदिन दोपहर २ बजे से ४ बजे तक लक्ष्मी खड़का द्वारा संचालित प्राइवेट ट्यूशन क्लास में जाती है। शुक्रवार को बच्ची रोते हुए घर लौटी, जिसके बाद माता-पिता ने जब कारण पूछा, तो उसने बताया कि टीचर ने होमवर्क अधूरा होने पर उसके दोनों हाथों पर डंडे से बुरी तरह मारपीट की, जिससे उसके हाथों पर सूजन और लाल निशान पड़ गए। घटना से नाराज पिता ने जब टीचर से बात करने की कोशिश की, तो उसने कथित तौर पर असहयोगी व्यवहार किया और यहां तक धमकी दी कि यदि बच्ची ने आगे भी होमवर्क पूरा नहीं किया तो उसे प्रतिदिन इसी प्रकार की सज़ा दी जाएगी। इसके बाद पीड़िता के माता-पिता ने घाटकोपर पुलिस स्टेशन में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि बच्ची का मेडिकल परीक्षण कराया गया है और आगे की जांच के बाद आरोपी टीचर के खिलाफ आवश्यक दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। यह मामला एक बार फिर बच्चों पर शारीरिक दंड जैसी असंवैधानिक और अमानवीय प्रथाओं को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

मीरा-भाईंदर महानगरपालिका में कर्मचारियों को संशोधित सुनिश्चित प्रगति योजना का लाभ

संवाददाता

मीरा-भाईंदर। मीरा-भाईंदर महानगरपालिका के अधिकारियों और कर्मचारियों को सेवा के अंतर्गत संशोधित सुनिश्चित प्रगति ड१० वर्ष, २० वर्ष और ३० वर्ष. योजना का लाभ मिलेगा। इस महत्वपूर्ण निर्णय को मीरा-भाईंदर महा नगरपालिका के आयुक्त एवं प्रशासक राधाबिनोद ए.शर्मा के निर्देशानुसार और अतिरिक्त आयुक्त डॉ. संभाजी पानपट्टे तथा उपायुक्त (मुख्यालय) श्री कल्पिता पिंपले के मार्गदर्शन में लिया गया। २८ अक्टूबर २०२५ को आयोजित दैनिक संभागीय पदोन्नति चयन समिति की बैठक में कुल ६७ कर्मचारियों को इस योजना का लाभ प्रदान करने का निर्णय हुआ। इसमें पहला लाभ १२ कर्मचारियों को और दूसरा लाभ ५५ कर्मचारियों को दिया जाएगा। अब तक महानगरपालिका ने समयबद्ध पदोन्नति के पात्र १२६६ अधिकारियों/कर्मचारियों में से ६६८ अधिकारियों/कर्मचारियों को सुनिश्चित प्रगति योजना का लाभ प्रदान किया है, और शेष कर्मचारियों को भी लाभ देने के लिए कार्रवाई प्रस्तावित है। महानगर पालिका प्रशासन ने कहा है कि यह पदोन्नति कर्मचारियों में खुशी और संतोष का माहौल उत्पन्न करेगी और उन्हें कार्य में प्रेरित करेगी। आयुक्त राधाबिनोद ए. शर्मा ने पदोन्नति प्राप्त सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को बधाई दी और कर्मचारियों ने महानगरपालिका प्रशासन और आयुक्त को धन्यवाद ज्ञापित किया।

जलगांव में एनसीपी(एसपी) नेता एकनाथ खडसे के बंगले में चोरी सोना और नकदी गायब

संवाददाता

जलगांव। शिवराम नगर क्षेत्र में स्थित एनसीपी (शरद पवार गुट) के वरिष्ठ नेता एकनाथ खडसे के घर में मंगलवार तड़के चोरी की घटना सामने आई। रिपोर्ट्स के अनुसार, चोरों ने देर रात उनके बंद पड़े घर के दरवाजों के ताले तोड़कर भीतर प्रवेश किया और ग्राउंड फ्लोर व पहली मंजिल पर रखी अलमारियों को खंगाला। चोरी में लगभग ८६८ ग्राम सोना और ३५,००० रुपये नकद गायब पाए गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे और पंचनामा सहित जांच प्रक्रिया शुरू की। डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस नितिन गणपुरे ने चोरी की पुष्टि करते हुए बताया कि घटना के समय घर बंद था और केयरटेकर भी मौजूद नहीं था। परिसर में सीसीटीवी कैमरे न होने के कारण पुलिस आसपास के इलाकों के कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। अपराधियों की तलाश के लिए स्थानीय पुलिस तथा गुन्हे शाखा की संयुक्त टीम काम कर रही है। यह भी उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ही खडसे की बहू और केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे के मुक्ताईनगर स्थित पेट्रोल पंप पर हथियारबंद डकैती हुई थी। ताज़ा घटना के बाद खडसे परिवार की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

किसानों के मुआवजा पैकेज को लेकर कांग्रेस का महायुति सरकार पर हमला, सपकाल ने फडणवीस को बताया 'चिप मुख्यमंत्री'

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित किसानों को लेकर राजनीतिक टकराव तेज होता जा रहा है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने महायुति सरकार पर किसानों को धोखा देने का गंभीर आरोप लगाया है। नांदेड़ में मीडिया से बातचीत करते हुए सपकाल ने कहा कि सरकार द्वारा घोषित ३२,००० करोड़ रुपये का सहायता पैकेज पूरी तरह धोखाधड़ी है, ठीक वैसे ही जैसे कैबिनेट की बैठक में स्वीकृत ११,००० करोड़ रुपये के वितरण का फैसला भी छलावा है।

उनके अनुसार किसानों के वास्तविक नुकसान की भरपाई तभी मानी जाएगी, जब प्रति हेक्टेयर ५०,००० रुपये की सीधी सहायता दी जाए। सपकाल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भी कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि वह वोट चुराकर सत्ता में आए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि फडणवीस एक 'चोर मुख्यमंत्री','चिप मुख्यमंत्री' हैं और उनकी आलोचना की भाषा भी इसी स्तर की है। सपकाल ने यह भी कहा कि ऐसी निम्नस्तरीय टिप्पणियों से राहुल गांधी के नेतृत्व और उनकी उपलब्धियों को कम नहीं किया जा सकता। नांदेड़ को कांग्रेस विचारधारा की मजबूत जमीन बताते हुए सपकाल ने दावा किया कि कांग्रेस महाराष्ट्र में अपनी खोई ताकत वापस हासिल कर रही है। उन्होंने कहा कि अन्य दलों से कांग्रेस में शामिल हो रहे लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जो राहुल गांधी के संघर्ष और विचारधारात्मक प्रभाव का परिणाम है। हाल ही में गढ़चिरौली और नांदेड़ के बाद, जालना में भी कांग्रेस को नए समर्थक मिल रहे हैं, जिससे पार्टी को नई ऊर्जा मिली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस बयान पर कि स्थानीय निकाय चुनावों में विपक्ष का सूपड़ा साफ हो जाएगा, सपकाल ने पलटवार करते हुए कहा कि आगामी चुनावों में उनके अपने ही दांत उनके गले में चले जाएँगे। उन्होंने दावा किया कि जनता में बढ़ती नाराजगी के चल ते महायुति सरकार को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। राज्य में किसान संकट और राजनीतिक बयानबाजी लगातार बढ़ रही है, जिससे आगामी चुनावों का माहौल और अधिक टकरावपूर्ण होता दिखाई दे रहा है।

फलटण में महिला डॉक्टर की आत्महत्या मामले में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी
सुषमा अंधारे पर 50 करोड़ रुपये की मानहानि का दावा

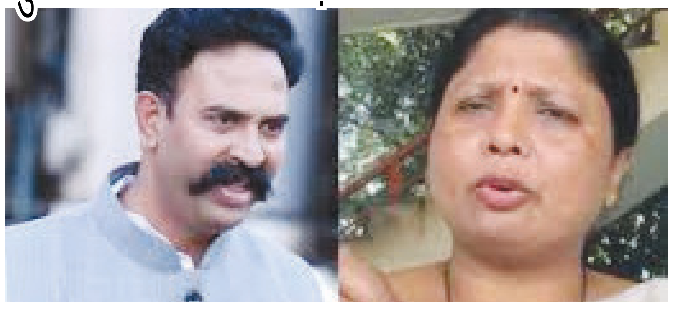

संवाददाता

मुंबई। फलटण में एक महिला डॉक्टर की आत्महत्या को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर लगातार जारी है। इस मामले में ठाकरे गुट की नेता सुषमा अंधारे और पूर्व भाजपा सांसद रणजीतसिंह नाइक निंबालकर आमने-सामने हैं। रणजीतसिंह नाइक निंबालकर ने इस मामले में सुषमा अंधारे पर ५० करोड़ रुपये की मानहानि का दावा किया था और उनके वकीलों ने अंधारे को कानूनी चेतावनी भी जारी की थी। इसी बीच, सुषमा अंधारे ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर निंबालकर के खिलाफ सबूत पेश किए। उन्होंने दो जुड़वां बहनों के सुसाइड नोटों का हवाला दिया, जिनमें आत्महत्या की कोशिश की गई थी और जिनके संबंध में महिला आयोग में भी शिकायत दर्ज कराई गई थी। अंधारे ने दावा किया कि प्रस्तुत किए गए दस्तावेज़ स्पष्ट रूप से इस मामले में तथ्य उजागर करते हैं। यह विवाद फिलहाल सार्वजनिक और राजनीतिक बहस का मुख्य केंद्र बना हुआ है, और दोनों पक्षों के बीच कानूनी कार्रवाई और मीडिया बयानबाजी के बीच तनाव जारी है।

मुंबई में पहली बार होगा अंतरराष्ट्रीय 'मुंबई जलवायु सप्ताह'
2026 में दुनिया के 30 से अधिक देशों का लगेगा जमावड़ा

संवाददाता

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को घोषणा की कि भारत में जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में नेतृत्व को रेखांकित करने वाला एक वैश्विक सम्मेलन 'मुंबई जलवायु सप्ताह' अगले वर्ष फरवरी में मुंबई में आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रोजेक्ट मुंबई की अवधारणा पर आधारित है और महाराष्ट्र सरकार के पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग तथा बृहन्मुंबई महानगरपालिका के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। मंत्रालय के समिति कक्ष में आयोजित बैठक के दौरान मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि मुंबई जलवायु सप्ताह का मुख्य आयोजन १७ से १९ फरवरी २०२६ तक बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में होगा। उन्होंने कहा कि मुंबई में पहली बार ऐसा अंतरराष्ट्रीय आयोजन हो रहा है, जिसके माध्यम से भारत वैश्विक दक्षिण की जलवायु कार्रवाई का नेतृत्व करता हुआ दिखाई देगा। सम्मेलन में वैश्विक दक्षिण के ३० से अधिक देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे, जिनमें पर्यावरणविद, नीति-निर्माता, शहरी योजनाकार और युवा प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। फडणवीस ने कहा कि यह पहल न केवल पर्यावरणीय आपात स्थितियों का समाधान प्रस्तुत करेगी, बल्कि विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन का व्यावहारिक मॉडल भी स्थापित करेगी।मुख्यमंत्री ने बताया कि नागरिक सहभागिता को बढ़ाने के लिए शहर भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें प्रदर्शनियाँ, जागरूकता कार्यशालाएँ, खेल एवं कला आधारित गतिविधियाँ, जलवायु-केंद्रित फिल्म महोत्सव और 'क्लाइमेट फूड फेस्टिवल' शामिल रहेंगे।

इस अवसर पर मुंबई जलवायु सप्ताह के लोगो का अनावरण भी किया गया। फडणवीस ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की दृष्टि से प्रेरित होकर महाराष्ट्र और मुंबई अब जलवायु कार्रवाई के साथ नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। उनके अनुसार, यह आयोजन भारत और विकासशील देशों के

लिए दुनिया के समक्ष एक समर्पित मंच भी प्रदान करेगा।

सम्मेलन तीन प्रमुख विषयों पर केंद्रित होगा:- खाद्य प्रणालियाँ, ऊर्जा परिवर्तन व शहरी लचीलापन।

इन तीनों विषयों पर न्याय, नवाचार और वित्तीय दृष्टिकोण से विमर्श होगा और एक व्यवहार्य जलवायु कार्रवाई कार्यक्रम का खाका तैयार किया जाएगा। प्रोजेक्ट मुंबई के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिशिर जोशी ने कहा कि यह आयोजन भारत के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा और इसके माध्यम से जनभागीदारी पर आधारित समाधान सामने आएंगे। नॉलेज पार्टनर के रूप में मॉनिटर डेलॉइट सहयोग करेगा, जबकि क्लाइमेट ग्रुप, वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (इंडिया), इंडिया क्लाइमेट कोलैबोरेटिव, यूनिसेफ, शक्ति फाउंडेशन, राष्ट्रीय सेवा योजना सहित अनेक संस्थाएँ भी भागीदार होंगी। बैठक में पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे, नगर आयुक्त भूषण गगरानी, विभाग की सचिव जयश्री भोज, अतिरिक्त मुख्य सचिव अश्विनी भिडे, सचिव डॉ. श्रीकर परदेशी, मुख्यमंत्री के मुख्य आर्थिक सलाहकार कौस्तुभ धावसे और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर राष्ट्रीय परेड में पहली बार महाराष्ट्र का रथ होगा शामिल
सांस्कृतिक विविधता की झलक पेश करेगा राज्य

संवाददाता

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल की १५०वीं जयंती के उपलक्ष्य में ३१ अक्टूबर २०२५ को गुजरात के केवड़िया में राष्ट्रीय परेड का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर पहली बार महाराष्ट्र राज्य का रथ शामिल होगा। राज्य के सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा तैयार किए गए इस विशेष रथ की थीम 'स्वराज्य: एकता का सूत्र' निर्धारित की गई है। रथ की अग्रभूमि में छत्रपति शिवाजी महाराज सिंहासन पर विराजमान दिखाई देंगे, जो स्वराज्य और राष्ट्र की एकता के प्रतीक माने जाते हैं। उनके पीछे वारकरी संप्रदाय के एक वारकरी की मूर्ति स्थापित की गई है, जबकि पृष्ठभूमि में मराठा नौसेना की शौर्यगाथा का प्रमाण, प्रसिद्ध गुरब नाव का चित्रण किया गया है। इस पूरी संरचना के माध्यम से महाराष्ट्र के इतिहास, संस्कृति और समुद्री गौरव का सशक्त प्रदर्शन किया जाएगा।

इस रथ के साथ १४ कलाकारों की एक सांस्कृतिक टोली प्रस्तुति देगी, जो महाराष्ट्र की विविधता में एकता की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर उजागर करेगी। इसके अतिरिक्त, १ से १५ नवंबर २०२५ तक भारत पर्व कार्यक्रम के अंतर्गत महाराष्ट्र और गोवा के सांस्कृतिक मामलों के विभागों द्वारा संयुक्त सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की जाएँगी।

भारत पर्व का मुख्य आयोजन ७ और ८ नवंबर २०२५ को होगा। महाराष्ट्र की समृद्ध लोक कला परंपरा को दर्शाने के लिए गोंधल नृत्य, कोली नृत्य,लावणी और वारी परंपरा पर आधारित प्रदर्शन प्रस्तुत किए जाएंगे, जिनमें १५ से २० कलाकारों की विशेष टीम भाग लेगी। इस संपूर्ण आयोजन की अवधारणा सांस्कृतिक मामलों और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार द्वारा तैयार की गई है और विभाग की सचिव डॉ. किरण कुलकर्णी के मार्गदर्शन में कार्यक्रमों का संचालन किया जाएगा। इन सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से महाराष्ट्र राज्य की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और लोक परंपरा को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतर-राज्यीय स्तर पर भी प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया जाएगा।

Delhi Artificial Rain: Second Cloud-Seeding Trial Completed; Rain Expected in Next Four Hours in THESE Parts

Delhi Artificial Rain: Parts of Delhi on Tuesday witnessed a cloud-seeding trial and artificial rain is expected anytime soon. The trial was successfully conducted in Khekra, Burari, North Karol Bagh, Mayur Vihar, Sadakpur, and Bhojpur regions of the national capital. Delhi Environment Minister Manjinder Singh Sirsa confirmed the cloud-seeding trial, stating that the aircraft entered Delhi from the direction of Meerut. The measure has been taken to combat pollution in Delhi and improve air quality levels, which have remained in the "very poor" category post Diwali. Stage 2 of the Graded Response Action Plan (GRAP) is already in effect in Delhi-NCR to curb pollution levels.

In a video message, Minister Sirsa stated that the second trial of cloud seeding was carried out by IIT Kanpur using a Cessna Aircraft on October 28. Five areas were covered and eight flares were used in cloud-seeding to release content in clouds. The process took about half an hour to complete, and the aircraft has since landed in Meerut. Sirsa quoted IIT Kanpur officials, who asserted that there could be rainfall in Delhi within the next four hours. The Minister expressed optimism about the results, stating that if the trial is successful, a long plan term will be formulated in February. The areas where rain is expected after cloud-seeding trial are: Khekra, Burari, North Karol Bagh, and Mayur Vihar.

"The second trial of cloud seeding has been done in Delhi. This was done by IIT Kanpur through Cessna Aircraft. The aircraft entered Delhi from the direction of Meerut. Khekra, Burari, North Karol Bagh, Mayur Vihar were covered under this. 8 flares were used in cloud seeding. Each flare weighs 2-2.5 kgThese flares released content in clouds. The clouds had 15-20% humidity. The process continued for half an hour and during this, one flare continued for 2-2.5 minutesThe aircraft has now landed in Meerut. Second sortie and third trial will be undertaken today itself," Sirsa said.

He added. "As per IMD, winds are headed north and clouds can go anywhere in Outer Delhi. IIT Kanpur believes that there can be rain anywhere between 15 minutes and 4 hoursWe hope IIT Kanpur's results will be positive If it is successful, in days to come, a long-term plan can be drawn till February. Such sorties will continue in the days to come. 9-10 trials will be done every day as the weather permits."

Indian Man Stabs Teens, Slaps Passenger Aboard Lufthansa Flight from Chicago to Germany, Arrested

In a shocking incident, an Indian man has been charged in the Unites States for allegedly stabbing two teenagers with a metal fork and slapping a passenger aboard a Lufthansa flight traveling from Chicago to Germany.

The US Attorney's Office for the District of Massachusetts in a statement confirmed the incident. The accused has been identified as Praneeth Kumar Usiripalli, 28, who stabbed a 17-year-old passenger in the shoulder with a metal fork and then subsequently attacked another 17-year-old, stabbing him in the back of the head with the same fork. He was arrested on Saturday, October and produced before federal court in Boston.

The US Attorney's Office for the District of Massachusetts said, "Praneeth Kumar Usiripalli, 28, is charged in U.S. District Court with one count of assault with a dangerous weapon with intent to do bodily harm while traveling on an aircraft in the special aircraft jurisdiction of the United States. Usiripalli was arrested on Oct. 25, 2025 and will appear in federal court in Boston at a later date."

'STOP This Heartless Game…:' Mamata Banerjee Slams BJP After a 57-Year-Old Man in Panihati Commits 'Suicide' Out of 'NRC Panic

Kolkata News Update: An old man from Agarpara in North 24 Parganas committed suicide as a result of "NRC panic," which caused a disturbance in Mahajati Nagar, Agarpara locality, when his body was found hanging on Tuesday morning. A note was recovered at the deceased's residence, reading, "The NRC is responsible for my death." West Bengal Chief Minister Mamata Banerjee accused the BJP on social media, saying, "57-year-old Pradeep Kar from 4 Mahajyoti Nagar, Panihati, Khardaha (Ward No. 9) has taken his own life, leaving behind a note that says, "NRC is responsible for my death." What greater indictment can there be of the BJP's politics of fear and division?"

The deceased has been identified as Pradeep Kar, according to local reports. On Tuesday, his body was discovered hanging in his house. Pradeep was born and raised in West Bengal, according to relatives and other sources. His father, though, was born in Bangladesh. Blaming BJP Mamata Banerjee wrote on X (Formerly Twitter), "It shakes me to the very core to imagine how, for years, BJP has tormented innocent citizens with the threat of NRC, spreading lies, stoking panic and weaponizing insecurity for votes. They have turned constitutional democracy into a draconian law-regime, where people are made to doubt their own right to exist. This tragic death is the direct consequence of BJP's venomous propaganda."

Barrackpore police commissioner Muralidhar himself visited the spot after receiving the news. A suicide note was also recovered from the house. Talking to family members and friends, it is learnt that Pradeep was worried about the news related to the NRC. One of his family members claimed, "The announcement of the SIR was made yesterday (Monday). Since then, he has become restless.

" According to a notice from the Election Commission, the state began SIR on Tuesday. The Chief Minister had a strong reaction to Pradeep's death. "Those who sit in Delhi and preach nationalism have pushed ordinary Indians to such despair that they are dying in their own land, fearing they will be declared 'FOREIGNERS'.

I demand that the Central Government stop this heartless game once and for all. Bengal will never allow NRC and never allow anyone to strip our people of their dignity or belonging. Our soil belongs to Maa, Mati, Manush, not to those who thrive on hate. Let the Delhi Zamindars hear this loud and clear: Bengal will resist, Bengal will protect and Bengal will prevail."

J&K Lieutenant Governor Manoj Sinha's Grandson Dies by Suicide in Kanpur

Jammu and Kashmir Lieutenant Governor Manoj Sinha's grandson died by suicide at his residence in Kanpur, Uttar Pradesh. The deceased, Aarav, reportedly left a note. According to a report by The Times of India, Aarav had a note in his pocket and urged his family members to check the messages he had written before his death. Sinha's nephew Alok Mishra lives with his wife Divya, daughter Manya, and son Aarav in Kanpur's Kohna area.

Aarav, a Class 11 student, was with his grandmother when she went to call him to his room. The door was locked from the inside. When her calls went unanswered, she sought help from the neighbours. After the door was broken open, Aarav was found hanging from the ceiling fan. Aarav's family had gone to Bhagalpur to celebrate Chhath.

The family was left in shock upon hearing the news of his death. Alok Mishra is the maternal nephew of Jammu and Kashmir Lieutenant Governor Manoj Sinha.

माज्या लेकराला न्याय देण्याऐवजी तिच्या चारित्र्यावर शिंतोडे का उडवता? महिला डॉक्टरच्या वडिलांची संतप्त प्रतिक्रिया

बीड : आमच्या लेकराला न्याय देण्याऐवजी तिच्या चारित्र्यावर शिंतोडे का उडवता? तिच्या चारित्र्यावर शिंतोडे उडविणा याच्या तोंडात किडे पडतील अशी संतप्त प्रतिक्रिया मृत महिला डॉक्टरच्या वडिलांनी दिली. सुरुवातीला मला घटनाच सांगण्यात आली नाही, मला तिच्या जवळच येऊ दिले नाही असाही आरोप त्यांनी केला. या प्रकरणातील आरोपींना शिक्षा देऊन फाशीच झाली पाहिजे अशी मागणीही त्यांनी केली.

तुम्ही चांगलं राहा, मी चांगली राहते. या भाऊबिजेला घरी येते असं शेवटचं बोलणं झाल्याचं मृत डॉक्टरच्या वडिलांनी सांगितलं. या प्रकरणाची एसआयटी चौकशी करावी. त्या एसआयटीमध्ये महिला अधिकारी असावी आणि हे प्रकरण बीड न्यायालयात चालवावं अशी मागणी महिला डॉक्टरच्या वडिलांनी केली. माज्या लेकराला कसं मोठं केलं हे मी शब्दात सांगू शकत नाही असं म्हणत तिच्या वडिलांना अश्रू अनावर झाले. आपल्या मुलीने आत्महत्या केली नसून तिची हत्या झाल्याचा आरोप वडिलांनी केला. ते म्हणाले की, घटना घडण्या अगोदर आम्ही तिच्याकडे एक दिवस गेलो होतो. मात्र यातील सत्य एकच माज्या मुलीची आत्महत्या नसून हत्या करण्यात आली आहे. माज्या मुलीचा ज्यांनी छळ केला, ज्यांनी त्रास दिला त्यांना फाशी झाली पाहिजे.

या प्रकरणात खासदार-आमदार जो कोणी असो, माज्या मुलीला न्याय मिळाला पाहिजे अशी मागणी मृत डॉक्टर महिलेच्या कुटुंबीयांनी केला. फलटणमधील महिला डॉक्टरचा शवविच्छेदन अहवाल पोलिसांना प्राप्त झाला आहे. मृत डॉक्टर महिलेच्या शरीरावर कोणत्याही जखमा नसून गळफास घेऊनच मृत्यू झाल्याचं शवविच्छेदन अहवालातून स्पष्ट झालं आहे.

दरम्यान प्रशांत बनकर, गोपाळ बदने आणि मृत डॉक्टरांचा सीडीआर पोलिसांच्या हाती लागला. मृत्यूच्या आधी गोपाळ बदनेसोबत महिला डॉक्टरचे कॉल झाल्याचं तपासात उघड झालं. मात्र अजून गोपाळ बदनेनं आपला मोबाईल पोलिसांना दिलेला नाही.

या मोबाईलमध्ये अनेक महत्त्वाचे डिजिटल पुरावे असावेत अशी शक्यता व्यक्त केली जात आहे. त्यामुळे आता पोलिसांसमोर मोठं आव्हान उभं राहिलं आहे.

भाजपला कुबड्यांची गरज नाही, पक्ष आता स्वबळावर चालतो; अमित शाहांचा रोख कुणाकडे ?

मुंबई : भाजप हा कुणाच्या कुबड्या घेऊन चालणारा पक्ष नाही, स्वबळावर चालतो असं वक्तव्य केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाहांनी (अ्रे३ रँ) केलं. मुंबई महापालिका निवडणुकीच्या (इटउ ए'ॅ३्नल्ल) पार्श्वभूमीवर अमित शाहांनी केलेल्या या वक्तव्यावर तर्कवितर्क लढवले जात आहेत. तर महाराष्ट्रात भाजप दोन कुबड्यांवर उभा आहे अशी टीका खासदार संजय राऊत (रंल्ल्ंं८ फं४३) यांनी केली. त्यावर कुबड्या या शब्दाचा अर्थ वेगळा लावू नये, मित्र हे कुबड्या नसतात असं स्पष्टीकरण मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस यांनी दिलं. केंद्रीय गृहमंत्र्यांच्या हस्ते मुंबईमध्ये भाजपच्या प्रदेश कार्यालयाचे भूमिपूजन पार पडले. त्यावेळी अमित शाहांनी कार्यकर्त्यांना संबोधित करत महापालिका निवडणुकीसाठी तयार राहण्याचे आदेश दिले. तसेच भाजप आता कुणाच्या कुबड्या घेऊन चालणारा पक्ष नाही, भाजप हा स्वबळावर चालणारा पक्ष आहे असं त्यांनी ठामपणे सांगितलं.

खासदार संजय राऊत यांनी केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह यांनी कुबड्यावरुन केलेल्या टीकेला जोरदार प्रत्युत्तर दिलं. भाजप देशात अनेक ठिकाणी कुबड्यावर सत्तेत आहे. महाराष्ट्रातही दोन कुबड्या आहेत असा टोला राऊतांनी अमित शाहांना लगावला. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाहांनी मुंबईत एकप्रकारे पालिका निवडणुकांच्या प्रचाराचं रणशिंग फुंकलं आहे. आता डबल इंजिन सरकार नको तर ट्रिपल इंजिन सरकार हवंय, असं वक्तव्य अमित शाहांनी केलं. मुंबईतील भाजप प्रदेश कार्यालयाच्या भूमिपूजन सोहोळ्याला शाह उपस्थित होते. त्यावेळी त्यांनी हे वक्तव्य केलं. स्थानिक स्वराज्य संस्थांच्या निवडणुकीत भाजप कार्यकर्त्यांनी असे लढावे की, विरोधकांचा सुपडासाफ झाला पाहिजे, दुर्बिण लावूनही विरोधक सापडता कामा नयेत, अशी घोषणाही शाहांनी केली.

अमित पुढे म्हणाले की, इमारत पाहून मी अभिनंदन करतो. 55 हजार चौरस फुटाचे हे कार्यालय आहे. लायब्ररी, कॉन्फरन्स रूम, प्रदेशाध्यक्षांसोबत इथे मुख्यमंत्र्यांचे देखील कार्यालय आहे. हे कार्यालय मुख्यमंत्र्यांना आठवण करून देईल की येथूनच निवडून जायचे आहे. मला आनंद आहे की, महाराष्ट्र भाजपने आपल्या परंपरा लक्षात ठेवल्या आहेत. जनसंघानंतर भाजप निर्माण झाले, तेव्हा अटलजी बोलले होते की कमल खिलेगा. तेव्हा पहिले पंतप्रधान अटलजी झाले. त्यानंतर 11 वर्षे मोदी जी पंतप्रधान आहेत. देशाचे पंतप्रधान हे भाजपचे नेते झाले ही आपल्यासाठी गौरवाची बाब आहे, असे देखील त्यांनी म्हटले.

आमचा पक्ष घराणेशाहीनुसार चालत नाही

ज्या नेत्यांनी कठीण परिस्थितीत पक्ष मजबूत केला, पक्षाच्या विचारांचे बीज लावून त्याचे वटवृक्ष केले, त्या सगळ्या कार्यकर्त्यांना आणि नेत्यांना मी प्रणाम करतो. मला देखील अध्यक्ष होता आले. भारतात एकमेव भाजप हा पक्ष आहे, जिथे बुथ प्रमुख हा पक्षाचा, देशाचा अध्यक्ष होऊ शकतो. आमचा पक्ष घराणेशाहीनुसार चालत नाही. ज्याच्यात क्षमता आहे तोच या ठिकाणी मोठा नेता होता. आम्ही हे सिद्ध केले की, घराणेशाही या देशात चालणार नाही. तुम्हाला परफॉर्मन्स दाखवावाच लागेल, असे देखील अमित शाह म्हणाले.

दादर रेल्वे स्टेशनवर प्रवाशाचा स्वत:वरच चाकू हल्ला

दादर: अलीकडेच मुंबईतील काळाचौकी परिसरात प्रेमप्रकरणातून एका तरुणाने आपल्या प्रेयसीवर चाकूने वार करून स्वतःचा गळा चिरत आत्महत्येचा प्रयत्न केला होता. या भीषण घटनेत दोघांचा मृत्यू झाला होता. गजबजलेल्या काळाचौकी भागात घडलेल्या या रक्तरंजित प्रकाराने संपूर्ण मुंबई हादरली होती. या घटनेचीच चर्चा सुरू असताना आता दादर रेल्वे स्थानकावरही असाच आणखी एक धक्कादायक प्रकार समोर आला आहे. एका प्रवाशाने अचानक स्वतःवरच धारदार चाकूने वार करत आत्महत्येचा प्रयत्न केला. त्यावेळी स्थानकावर सेवेवर असलेल्या होमगार्डने तत्परतेने धाव घेत त्या प्रवाशाचे प्राण वाचवले. मात्र, त्यानंतरही त्या प्रवाशाने एक्स्प्रेस ट्रेनसमोर उडी घेण्याचा प्रयत्न केला. संपूर्ण घटना सीसीटीव्ही कॅमेयात कैद झाली असून, त्याचा व्हिडिओ सध्या सोशल मीडियावर वेगाने व्हायरल होत आहे. एका प्रवाशाने अचानक स्वतःवरच धारदार चाकूने वार करत आत्महत्येचा प्रयत्न केला. त्यावेळी स्थानकावर सेवेवर असलेल्या होमगार्डने तत्परतेने धाव घेत त्या प्रवाशाचे प्राण वाचवले. व्हायरल झालेल्या व्हिडीओमध्ये दोन होमगार्ड संबंधित प्रवाशाला जोराने पकडून समजावून सांगताना दिसत आहेत. याच दरम्यान दादर स्थानकावर एक एक्स्प्रेस ट्रेन येताना दिसते. हे पाहून संबंधित प्रवाशी ट्रेनच्या दिशेनं धाव घेतो. मात्र होमगार्ड राहुल सरोज यांनी त्याचा पाठलाग करून त्याला वेळीच पकडलं, यावेळी तो प्रवासी हिसके देऊन स्वतःची सुटका करून घेण्याचा जोरदार प्रयत्न करताना व्हिडीओमध्ये दिसतो आहे. मात्र सरोज यांनी त्याला घट्ट पकडून त्याचा जीव वाचवला. हा सगळा प्रकार दादरच्या फलाट क्रमांक १२ वरती घडला आहे.

गुडन्यूज! पुणे, पिंपरी चिंचवडमध्ये स्वस्तात घर; म्हाडाच्या 4186 सदनिकांसाठी अर्ज करण्यास मुदतवाढ

मुंबई : पुणे गृहनिर्माण व क्षेत्रविकास मंडळातर्फे (म्हाडाचा घटक) पुणे, पिंपरी-चिंचवड व पीएमआरडीएसह सोलापूर, कोल्हापूर व सांगली जिल्ह्यातील विविध गृहनिर्माण योजनेतील ४,१८६ सदनिकांच्या विक्रीकरिता आयोजित संगणकीय सोडतीसाठी अर्ज सादर करण्यासाठी दि. २० नोव्हेंबर, २०२५ रोजी रात्री ११.५९ वाजेपर्यंत मुदतवाढ देण्यात आली आहे. त्यामुळे, इच्छुकांना घर खरेदीसाठी आणखी एक संधी मिळणार आहे. सुधारित वेळापत्रकानुसार पुणे मंडळातर्फे सदनिका वितरणासाठी प्राप्त अर्जांची संगणकीय सोडत आता दि. ११ डिसेंबर, २०२५ रोजी दुपारी १२.०० वाजता काढण्यात येणार आहे. २० नोव्हेंबर, २०२५ रोजी रात्री ११.५९ वाजेपर्यंत अर्जदार ऑनलाइन अनामत रकमेचा भरणा करू शकणार आहेत. दिनांक २१ नोव्हेंबर, २०२५ रोजी संबंधित बँकेच्या कार्यालयीन वेळेपर्यंत RTGS/NEFT द्वारे अनामत रकमेचा भरणा अर्जदारांना करता येईल. पुणे मंडळातर्फे जाहीर करण्यात आलेली सोडत चार घटकांमध्ये विभागण्यात आली असून यामध्ये म्हाडा गृहनिर्माण योजनेतील प्रथम येणायास प्रथम प्राधान्य या योजनेअंतर्गत १६८३ सदनिका, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अंतर्गत प्रथम येणा्यास प्रथम प्राधान्य या योजनेअंतर्गत २९९ सदनिका, १५ टक्के सर्वसमावेशक गृहनिर्माण योजनेअंतर्गत पुणे महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण हद्दीतील ८६४ सदनिका, २० टक्के सर्वसमावेशक गृहनिर्माण योजनेअंतर्गत पुणे महानगरपालिका, चिंचवड महानगरपालिका, पुणे महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण हद्दीतील एकूण ३२२२ सदनिकांचा समावेश आहे.

घरासाठी येथे करा अर्ज

मंडळाचे मुख्य अधिकारी राहुल साकोरे यांनी संगितले की, कागदपत्रांची पूर्तता करण्यासाठी व इतर कारणास्तव अर्ज करण्यासाठी मुदतवाढ मिळण्याविषयी नागरिकांकडून सातत्याने मागणी करण्यात आली. यामुळे सदरची मुदतवाढ देण्यात आली आहे. प्रथम येणा्यास प्रथम प्राधान्य तत्वावरील योजनांच्या सदनिकांसाठी https://lottery.mhada.gov.inbookmyhome.mhada.gov.in या संकेतस्थळावर नोंदणी करावी. अर्ज नोंदणी व अर्ज भरणा प्रक्रियेकरिता मार्गदर्शन करणारी माहिती पुस्तिका या म्हाडाच्या अधिकृत संकेतस्थळावर अर्जदारांच्या सोयीसाठी उपलब्ध करण्यात आली आहे. अर्ज प्रक्रियेबाबत मदतीसाठी ०२२-६९४६८१०० या हेल्पलाइन क्रमांकावर संपर्क साधण्याचे आवाहन श्री. साकोरे यांनी केले आहे.

तमन्ना भाटिया ने 30 की उम्र की महिलाओं के प्रति बदलते नजरिए के बारे में बात की!

फिल्मफेयर के साथ बातचीत में, तमन्ना ने अपनी एक्टिंग जर्नी के बारे में बताया और बताया कि जब उन्होंने अपना करियर शुरू किया था, तो उनका 10 साल का प्लानह्व था। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि इंडस्ट्री तीस साल की उम्र की महिलाओं के लिए मैच्योर और लेयर्ड रोल को ज्यादा एक्सेप्ट करने लगी है, तो उन्होंने कहा, हाँ, बिल्कुल। इस एज ग्रुप की महिलाओं के लिए ज्यादा रोल लिखे जा रहे हैं। पहले, हम एक तय उम्र के बाद स्क्रीन पर ज्यादा महिलाओं को नहीं देखते थे। जब मैंने एक्टिंग शुरू की, तो मेरा 10 साल का प्लान था – मैंने सोचा था कि मैं तीस साल की उम्र तक काम करूँगी और फिर शादी करके बच्चे पैदा करूँगी। उन्होंने आगे कहा, लेकिन अच्छी बात यह थी कि जब मैं अपने ट्वेंटीज के आखिर में पहुँची, तो मैं सच में अपनी पहचान बना पाई, और उस समय तक, इंडस्ट्री में दिलचस्प, मीनिंगफुल रोल बनने लगे थे। मुझे लगता है कि यह बदलाव ग्लोबली हो रहा है। मुझे कभी समझ नहीं आया कि लोग उम्र बढ़ने से क्यों डरते हैं।

बहुत से लोग इसके बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे यह कुछ नेगेटिव हो, लेकिन उम्र बढ़ना असल में एक खूबसूरत प्रोसेस है। मुझे नहीं पता कि लोग इससे इतना डरते क्यों हैं।ह्व तमन्ना अगली बार शाहिद कपूर के साथ विशाल भारद्वाज की आने वाली एक्शन थ्रिलर ओ' रोमियो में दिखाई देंगी, जो एक जबरदस्त गैंगस्टर ड्रामा है और 2025 के आखिर या 2026 की शुरूआत में रिलीज होने की उम्मीद है। फिल्म में त्रिप्ति डिमरी भी हैं। वह सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ ववन – फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट में भी नजर आएंगी, जो बालाजी मोशन पिक्चर्स और TVF द्वारा प्रोड्यूस की गई एक माइथोलॉजिकल फोक थ्रिलर है। फिल्म की शूटिंग जून 2025 में शुरू होगी और मई 2026 में रिलीज होगी।

जरूरत से ज्यादा न करें काम वर्क लाइफ बैलेंस पर रश्मिका मंदाना ने दी प्रतिक्रिया; बोलीं- हमारी भी जिंदगी है

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म ह्यथामाह्व और आगामी फिल्म ह्यद गर्लफ्रेंड को लेकर चचाओं में हैं। वहीं रश्मिका और विजय देवरकोंडा की सगाई की खबरें भी लगातार फैंस के बीच चर्चा का विषय बनी हुई हैं। अब इंडस्ट्री में काम के घंटों को लेकर चल रही बहस के बीच रश्मिका ने काम और जिंदगी में संतुलन को लेकर बात की है। इससे पहले द गर्लफ्रेंडह्व के निमार्ता एसकेएन ने रश्मिका की तारीफ करते हुए कहा था कि वो काम को घंटों की तरह नहीं लेती हैं। अब रश्मिका ने भी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में संतुलन को लेकर बात की और ज्यादा काम न करने के महत्व को समझाया है। कुछ समय पहले रश्मिका मंदाना ने बताया था कि उन्हें पूरे 8 घंटे की नींद लिए हुए कई महीने हो गए हैं। इसी बात का जिक्र करते हुए जब प्रोफेशनल लाइफ में संतुलन के बारे में पूछा गया तो रश्मिका ने गल्ट से कहा, मुझे लगता है कि इस बात का महिमामंडन करना कि हम जरूरत से ज्यादा काम करते हैं, ठीक नहीं है। मैं जरूरत से ज्यादा काम करती हूं और मैं आपको बता रही हूं यह बिल्कुल भी सुझाव देने योग्य नहीं है। ऐसा मत करो। यह टिकाऊ नहीं है। वही करो जो तुम्हारे लिए आरामदायक हो, वही करो जो तुम्हारे लिए सही हो। वो 8 घंटे काम करो, वो 9-10 घंटे भी काम करो क्योंकि यकीन मानो, ये तुम्हें आगे चलकर बचाएगा। जैसे मैंने हाल ही में ऐसी कई बातचीत देखी हैं जहां लोग कहते हैं, ठीक है, काम का समय पता है वगैरह। मैंने दोनों ही किया है। यह इसके लायक नहीं है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि जैसा जाहिर है कि यह एक जिम्मेदारी है जो तुम पर है। मैं खुद पर जरूरत से ज्यादा काम कर लेती हूं क्योंकि मैं एक सामान्य इंसान से कहीं ज्यादा काम ले लेती हूं। लेकिन मैं ऐसी भी नहीं हूं जो अपनी टीमों से कहूं कि मैं उनके लिए कुछ नहीं कर सकती। अगर मुझे पता है कि वे संघर्ष कर रहे हैं और वे कहते हैं, 'नहीं, मेरे पास अभी तक केवल यही लोकेशन है और हमें इस समय में बहुत कुछ शूट करना है। तब मैं यह समझती हूं और मान जाऊंगी और वैसा करूंगी। बातचीत के दौरान रश्मिका ने कहा कि सिनेमा में यह बहुत पहले से होता आया है। यही कारण है कि हमें अपनी टीमों से प्यार है। लेकिन अगर मुझे खुद चुनना होता, तो मैं कहती कि कृपया हम अभिनेताओं को ऐसा करने पर मजबूर न करें, क्योंकि बहुत कुछ चल रहा है। सिर्फ अभिनेता ही नहीं बल्कि निर्देशक, लाइटमैन, संगीतकार, सभी। जैसा आप जानते हैं कि ऑफिस का समय 9 से 6 या 9 से 5 या 9 से 4 होता है, हमें ऐसा करने दें। क्योंकि अभी भी एक पारिवारिक जीवन है जिस पर मैं ध्यान देना चाहती हूं, अभी भी मेरी नींद बाकी है जो मैं पूरी करना चाहती हूं। मैं अभी भी वर्कआउट करना चाहती हूं, इसलिए, आप जानते हैं, बाद में मुझे इस बात का पछतावा नहीं होगा कि काश मैं छोटी उम्र में स्वस्थ और फिट होती और वर्कआउट करती। मैं अभी भी अपने भविष्य के बारे में सोच रही हूं।

बड़ी ही अजीबोगरीब परिस्थिति में विद्या बालन को मिला था परिणीता का ऑफर

विद्या बालन वो अभिनेत्री हैं जिन्होंने अपने अभिनय की दम पर इंडस्ट्री में अपना एक अलग मुकाम हासिल किया है। अब विद्या बालन भले ही कम फिल्मों में नजर आती हों, लेकिन उनकी गिनती इंडस्ट्री की दिग्गज अभिनेत्रियों में होती है। हाल ही में विद्या बालन ने खुलासा किया कि उन्हें ह्यपरिणीताह्व का ऑफर एक बेहद ही अप्रत्याशित माहौल में मिला था, जो उन्हें आज भी याद है। बॉम्बे टाइम्स से बात करते हुए विद्या ने उस रात को याद किया जिसने उनकी जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी। अभिनेत्री ने बताया कि मैं और मेरी दोस्त पवित्रा 2004 में मुंबई में एनरिक के कॉन्सर्ट में थे। तभी निर्देशक प्रदीप सरकार ने मुझे फोन किया था और परिणीता का प्रस्ताव दिया था। विद्या ने बताया कि हम स्टेज के और करीब पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। मेरा फोन बंद था और एनरिक गानों के बीच में ही स्टेज से उतर गए थे। हम उम्मीद कर रहे थे कि जब तक वह परफॉर्म करने के लिए वापस आएंगे, हम आगे पहुंच जाएंगे और वह मुझे स्टेज पर खींच लाएंगे। लगभग इसी समय प्रदीप दादा ने मुझे फोन किया होगा, लेकिन उनसे बात नहीं हो पाई।

इसलिए उन्होंने पवित्रा को फोन किया। उन्होंने उससे पूछा, 'विद्या कहां है? विद्या ने आगे बताया कि इस्के बाद जो हुआ वो तो बस किस्मत ही लिख सकती थी। पवित्रा ने मुझे फोन दिया। दादा ने बताया कि विधु विनोद चोपड़ा मुझसे बात करना चाहते हैं। मैंने उनसे कहा कि मैं एक कॉन्सर्ट में हूं और बाहर आकर बात कर सकती हूं। तभी मिस्टर चोपड़ा फोन पर आए और बोले, 'विद्या बालन तुम्हें उस जगह से निकलकर किसी शांत जगह पर जाना होगा जहां तुम बात कर सको।' इसके बाद विधु विनोद चोपड़ा ने मुझसे कहा, 'तुम मेरी परिणीता हो।' और तब तक एनरिक स्टेज पर वापस आ चुके थे और उन्होंने 'हीरो' गाना गाया था। हालांकि यह गाना मेरे लिए हमेशा से खास रहा है, लेकिन इस पल ने मेरे लिए रिश्ता पक्का कर दिया। जब यह गाना बजा तो मुझे यह खबर मिली, मैं खुद को रोक नहीं पाई। मेरे हाथ-पैर कांप रहे थे। यह निस्संदेह मेरे जीवन के सबसे खास पलों में से एक है। अभिनेत्री ने बताया कि मुझे एनरिक के कॉन्सर्ट में फिल्मों में बड़ा ब्रेक मिला। इसलिए जब लोग मुझसे पूछते हैं कि क्या मैं उनके कॉन्सर्ट में जा रही हूं, तो मैं मजाक में कहती हूं कि मैंने फिल्मों में 20 साल पूरे कर लिए हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि वह इसका जश्न मनाने के लिए वापस आ रहे हैं। ऐसा लगा जैसे एक हीरोइन के रूप में मेरा जन्म उनके शो में हुआ था, जब उन्होंने हीरो गाना गाया था। अगर मुझे अपना कोई गाना एनरिक को समर्पित करना हो, तो वह परिणीता का पीयू बोले होगा। एनरिक इग्लेसियस एक दशक से ज्यादा के समय के बाद भारत में कॉन्सर्ट करने वापस आ रहे हैं। यह कॉन्सर्ट मुंबई में होगा। इसको लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं। पॉप सनसनी एनरिक 29 और 30 अक्तूबर को बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स के एमएमआरडीए ग्राउंड में शो करेंगे। यह 13 वर्षों के बाद भारत में उनकी वापसी होगी। एनरिक ने आखिरी बार यहां 2012 में अपने यूफोरिया वर्ल्ड टूर के दौरान प्रस्तुति दी थी, जिसके तहत वे पुणे, गुरुग्राम और बेंगलुरु गए थे।

भीषण ठंड पड़ने से पहले अभी कर लें ये तैयारियां, कोसों दूर रहेंगी बीमारियां

अक्तूबर का महीना खत्म हो रहा है, और इसके साथ ही तापमान में गिरावट आना शुरू हो जाता है। सर्दियों का मौसम जहां एक तरफ राहत देता है, वहीं दूसरी ओर यह सर्दी-जुकाम, फ्लू, जोड़ों के दर्द, अस्थमा और हृदय संबंधी समस्याओं जैसे कई बीमारियों के खतरे को कई गुना बढ़ा देता है। खास तौर पर वरिष्ठ नागरिकों (बुजुर्गों) और बच्चों को इस मौसम में विशेष देखभाल की जरूरत होती है, क्योंकि उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) जल्दी प्रभावित होती है। इससे पहले कि कड़ाके की ठंड दस्तक दे और आपकी सेहत पर भारी पड़े, जरूरी है कि आप अभी से कुछ महत्वपूर्ण स्वास्थ्य और जीवनशैली संबंधी तैयारियां कर लें। इसके लिए सिर्फ गर्म कपड़े नहीं पहनना है, बल्कि आहार, हाइड्रेशन और घर के वेंटिलेशन से जुड़ी सावधानियां पर भी ध्यान देना जरूरी है, जो आपको पूरे मौसम स्वस्थ बनाए रखेंगी और बीमारियों को कोसों दूर रखेंगी।

डाइट में ये बदलाव करें

सर्दियों की बीमारियों से बचने के लिए अभी से अपनी इम्यूनिटी बढ़ाना शुरू कर दें। अपनी डाइट में हल्दी वाला गर्म दूध, गुड़, तिल और अदरक को जरूर शामिल करें। ये पारंपरिक खाद्य पदार्थ आपके शरीर को अंदर से प्राकृतिक गर्मी देते हैं और मौसमी संक्रमणों से लड़ने की शक्ति बढ़ाते हैं। इन चीजों का नियमित सेवन करने से आपका शरीर वायरस और सर्दी-जुकाम का मुकाबला करने के लिए पूरी तरह से तैयार हो जाता है।

च्यवनप्राश का सेवन करें

सर्दियों से पहले च्यवनप्राश को अपनी डाइट का हिस्सा बनाना एक शानदार आयुर्वेदिक उपाय है। च्यवनप्राश विटामिन सी और कई जड़ी-बूटियों से भरपूर होता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) को बहुत तेजी से बढ़ाता है। रोजाना एक चम्मच च्यवनप्राश गर्म दूध या गुनगुने पानी के साथ लेने से शरीर को अंदर से मजबूती मिलती है।

पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं

ठंड के मौसम में प्यास कम लगने के कारण लोग अक्सर पानी पीना कम कर देते हैं, जिससे शरीर में डिहाइड्रेशन हो जाता है। डिहाइड्रेशन से बचने के लिए, भले ही प्यास न लगे, तब भी गुनगुना पानी, हर्बल चाय या गर्म सब्जियों का सूप नियमित रूप से पीते रहें। शरीर को पर्याप्त रूप से हाइड्रेटेड रखना बीमारियों से लड़ने वाली कोशिकाओं के लिए बहुत जरूरी है, जिससे आप पूरे मौसम स्वस्थ रहते हैं।

कपड़ों की लेयरिंग करें

कड़ाके की ठंड से सुरक्षित रहने के लिए कपड़ों की लेयरिंग का तरीका अपनाना सबसे बेहतर है। ऊनी कपड़ों के साथ-साथ टोपी, मफलर और दस्ताने जरूर पहनें, क्योंकि शरीर की सबसे ज्यादा गर्मी सिर, गर्दन और पैर से ही बाहर निकलती है। इसके अलावा, अगर आपके कपड़े किसी भी कारण से गीले हो जाते हैं, तो बीमार पड़ने से बचने के लिए उन्हें तुरंत बदलकर सूखे कपड़े पहनें।

कसरत और जोड़ों का स्वास्थ्य

सर्दियों में आलस के कारण लोग व्यायाम करना छोड़ देते हैं, जिससे जोड़ों का दर्द और अकड़न बढ़ जाती है। इसलिए ठंड में भी नियमित व्यायाम करना बहुत जरूरी है। अगर आपके शहर का अदकज्यादा है तो आप घर के अंदर योग, हल्की स्ट्रेचिंग या ट्रेडमिल का उपयोग करें। रोजाना की कसरत शरीर में रक्त संचार को बेहतर बनाती है और शरीर को अंदर से गर्म रखती है, जिससे आप पूरे मौसम सक्रिय और स्वस्थ बने रहते हैं।

वेंटिलेशन

सर्दियों में खिड़कियां बंद रहने से घरों में हवा की आवाजाही कम हो जाती है, जिससे वायरस तेजी से फैलते हैं। इस खतरे को कम करने के लिए, रोजाना दोपहर के समय कुछ देर के लिए खिड़कियां खोलकर ताजी हवा आने दें। इसके साथ ही बुजुर्गों और बच्चों को गंभीर बीमारियों से बचाने के लिए फ्लू और न्यूमोनिया का टीका अवश्य लगवा लेना

सर्दी में च्यवनप्राश क्यों जरूरी है, जानें इस आयुर्वेदिक टॉनिक का इम्यूनिटी से क्या है संबंध?

दिवाली और छठ का त्योहार अब खत्म हो चुका है, तीन दिनों बाद अक्तूबर का भी खत्म हो जाएगा। इन सब के साथ धीरे-धीरे ठंड भी शुरू हो रहा है। ठंड के मौसम में स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां बढ़ने लगती हैं। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए अक्सर भारतीय घरों में च्यवनप्राश खाते हैं। यह स्वादिष्ट आयुर्वेदिक मिश्रण न केवल एक पौष्टिक पूरक है, बल्कि सर्दियों की बीमारियों जैसे सर्दी, जुकाम और फ्लू के खिलाफ लड़ने में मदद करता है। विशेषज्ञों के मुताबिक रोज सुबह एक चम्मच च्यवनप्राश लेना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। आज के समय में तो इसकी जरूरत और अधिक बढ़ गई है, क्योंकि ज्यादातर लोगों की जीवनशैली तनावपूर्ण रहती है, जिससे उनकी इम्यूनिटी कमजोर हो रही है। च्यवनप्राश का सबसे महत्वपूर्ण घटक आंवला है, जो विटामिन-सी का पावरहाउस है। यह विटामिन सी एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है जो शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाता है और संक्रमण से लड़ने के लिए प्रतिरक्षा प्रणाली को तुरंत सक्रिय करता है। यह सिर्फ बीमार होने से नहीं बचाता, बल्कि फेफड़ों की कार्यक्षमता, पाचन और मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाने का काम करता है।

च्यवनप्राश सबसे पहले आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) को मजबूत करता है। यह 40 से ज्यादा जड़ी-बूटियों को मिलाकर बनता है, जो पूरे शरीर को ताकत देती हैं। यह मिश्रण केवल सर्दी-जुकाम से ही नहीं बचाता, बल्कि हर तरह के मौसमी संक्रमणों के खिलाफ एक मजबूत सुरक्षा ढाल तैयार करता है। इसलिए इसका नियमित सेवन आपको सर्दियों में बीमारियों से लड़ने के लिए तैयार करता है। च्यवनप्राश में दालचीनी, इलायची और तेजपत्ता जैसे खास मसाले होते हैं, जो शरीर को अंदर से गर्म रखते हैं। ठंड के दिनों में यह शरीर के तापमान को सामान्य बनाए रखने में मदद करता है। इस आंतरिक गर्माहट के कारण आपको ठंड जल्दी नहीं लगती और सर्दी-खांसी जैसी आम समस्याएं कम होती हैं।

यह मिश्रण आपकी शारीरिक गर्मी को नियंत्रित करके आपको ठंड के प्रकोप से बचाता है। यह आयुर्वेदिक मिश्रण फेफड़ों के लिए भी बहुत फायदेमंद माना जाता है। च्यवनप्राश श्वसन मार्ग (सांस की नली) को अंदर से साफ रखने और मजबूत बनाने में मदद करता है। जिन लोगों को अस्थमा या एलर्जी के कारण सांस लेने में दिक्कत होती है, उन्हें सर्दियों में इसका सेवन करने से काफी राहत मिल सकती है।

सेवन का सही तरीका

च्यवनप्राश का पूरा फायदा लेने के लिए इसे सही तरीके से सेवन करना जरूरी है। वयस्कों को रोजाना एक या दो चम्मच च्यवनप्राश गर्म दूध के साथ लेना चाहिए। इसे खाने का सबसे अच्छा समय सुबह खाली पेट या नाश्ते से ठीक पहले होता है। इस समय शरीर जड़ी-बूटियों के सभी पोषक तत्वों को सबसे अच्छे से सोख लेता है, जिससे आपको अधिकतम स्वास्थ्य लाभ मिलता है।

चिकित्सा पद्धतियों में सामंजस्य बैठाने की आवश्यकता

सत्य शील अग्रवाल

जब कोई व्यक्ति रोग ग्रस्त होता है उसके पास मुख्यतः तीन विकल्प रहते है, कि उसे किस पद्धति से अपना इलाज कराना है। अर्थात एलोपैथिक, आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक। सब की अपनी पसंद रहती है। सबका एक विश्वास होता है। जिस पद्धति से उसे इलाज करवाना होता है। जहाँ उसे सर्वाधिक संतुष्टि मिलती है,वह पूर्ण रूप से स्वतन्त्र है उसे कौन सी पद्धति अपनानी है। प्रत्येक पद्धति की अपनी सीमायें हैं तो प्रत्येक पद्धति की अपनी कुछ विशेषताएं भी होती हैं। हम यह नहीं भूल सकते कि सभी पद्धतियाँ मानव मात्र की सेवा में संलग्न हैं। अतः किसी भी पद्धति को उपेक्षित करना मानवता का अपमान है। अक्सर सुना जाता है कि एलोपैथिक डॉक्टर अन्य पद्धतियों को हीन भाव से देखते हैं। उनके लिए आयुर्वेदिक अथवा होम्योपैथिक पद्धति कोई चिकित्सा पद्धति है ही नहीं, अतः उनसे इलाज कराना मरीज के जीवन से खिलवाड़ करना है। उनकी यह सोच ही मरीज को भ्रमित करती है,विचलित करती है। जिसे कदापि उचित नहीं ठहराया जा सकता। माना वर्तमान समय में एलोपैथी में बहुत तेजी से मरीज ठीक हो जाता है और शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में एलोपैथी सर्वाधिक उन्नत श्रेणी में है। परन्तु अनेक रोगों का इस पद्धति द्वारा पूर्णतया निवारण संभव नहीं होता। जबकि अन्य पद्धतियों अर्थात आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक में उनके परिणाम बहुत अच्छे आते हैं और रोग को जड़ से खत्म करने का दम खम रखते हैं।

अतः क्यों न प्रत्येक पद्धति के गुणों के अनुसार मरीज का इलाज किया जाय। जिस पद्धति से रोगी अधिक शीघ्र और दीर्घ समय के लिए ठीक हो सकता है उसे उसी पद्धति से ट्रीट किया जाय। सभी पद्धतियों में एक सामंजस्य बनाया जाय जो मानव हित में होगा। मेडिकल की कोई भी डिग्री देते समय विद्यार्थी को सभी पद्धतियों का ज्ञान कराया जाय ताकि मरीज के हित में उसके रोग की आवश्यकता के अनुसार पद्धति उपलब्ध करायी जा सके। यदि वह चिकित्सक उस पद्धति का विशेषज्ञ नहीं है तो मरीज को उचित सलाह दे सके और उस पद्धति के विशेषज्ञ को रेफर कर सके। किसी चिकित्सक द्वारा अपने विशेष ज्ञान के अतिरिक्त किसी अन्य पद्धति को नकारना चिकित्सा विज्ञान का अपमान है। सभी पद्धतियां मानव हित में बनायीं गयी हैं। और प्रत्येक पद्धति की अपनी सीमायें भी होती है। उन सीमाओं को समझना भी आवश्यक है। यदि किसी विशेष पद्धति द्वारा किसी विशेष रोग का अधिक प्रभावी उपचार संभव है तो उसे स्वीकार करना चाहिए और अपने स्वार्थ से हटकर रोगी के हित में उसे दिशा निर्देश देने चाहिए।

'मुस्लिम लड़की लाओ, नौकरी पाओ' बयान पर बिफरीं मायावती

पूर्व भाजपा विधायक ने दिया था ये विवादित बयान

संवाददाता

लखनऊ. बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सिद्धार्थनगर के डुमरियागंज से पूर्व भाजपा विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह के विवादित बयान 'मुस्लिम लड़की लाओ, शादी करो, नौकरी पाओ' पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने इस मामले में सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। बसपा सुप्रीमो ने मंगलवार को जारी अपने बयान में कहा कि मुस्लिम लड़की लाओ, नौकरी पाओ', के संकीर्ण व घृणित बयान के साथ यूपी व उत्तराखंड सहित अन्य राज्यों में भी धर्म परिवर्तन, लव जिहाद और ना जाने क्या-क्या नफरती नाम दिए जा रहे हैं।

कानून को अपने हाथ में लेकर सांप्रदायिक व जातिवादी द्वेष, वैमनस्य, अशांति, अराजकता एवं लोगों के जान-माल व मजहब पर खतरा बन जाने का शरारती तत्वों का यह विषैला हिंसात्मक खेल निंदनीय है। ऐसे आपराधिक, अराजक व असामाजिक तत्व सभ्य व संवैधानिक सरकार के लिए खुली चुनौती और खतरा हैं। इन्हें शह व संरक्षण देने के बजाय सरकारें राज्य की करोड़ों जनता के हित व कल्याण को ध्यान में रखते हुए कानून का राज स्थापित करना सुनिश्चित करें। जनता और देश के हित में ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करें। मुस्लिम लड़की लाओ, नौकरी पाओ, के ताजा संकीर्ण व घृणित बयान के साथ-साथ यूपी व उत्तराखण्ड सहित अन्य और राज्यों में भी धर्म परिवर्तन, लव जिहाद और ना जाने क्या-क्या नफरती नाम देकर तथा उसके विरुद्ध कानून को अपने हाथ में लेकर साम्प्रदायिक व जातिवादी द्वेष, वैमनस्य, अशान्ति, अराजकता। मुस्लिम समाज भाईचारा संगठन की बैठक कल बसपा सुप्रीमो बुधवार को पार्टी प्रदेश कार्यालय में मुस्लिम समाज भाईचारा संगठन और एसआईआर को लेकर बैठक करेंगी।

प्रदेश में बड़े पैमाने पर आईएएस अधिकारियों के तबादले, 46 नौकरशाह इधर से उधर

संवाददाता

लखनऊ. यूपी में 46 अफसरों का तबादला किया गया है। इसमें आ-ईएएस कृतिका ज्योत्सना को बस्ती का डीएम, वाराणसी के सीडीओ हिमांशु नागपाल को वाराणसी का नगर आयुक्त बनाया गया है। वाराणसी की एडीएम वंदिता श्रीवास्तव को कुशीनगर का सीडीओ बनाया गया है। रामपुर के सीडीओ नंद किशोर कलाल को गाजियाबाद का उपाध्यक्ष बनाया गया है। मिजार्पुर के आईएएस बाल कृष्ण त्रिपाठी को सचिवालय सामान्य प्रशासन बनाया गया है। उनकी जगह राजेश कुमार की नियुक्ति की गई है।

सीतापुर के डीएम बने विशेष सचिव आबकारी

सीतापुर के जिलाधिकारी अभिषेक आनंद को विशेष सचिव आबकारी बनाया गया है। वहीं, सिद्धार्थ नगर के डीएम राजा गणपति आर को डीएम सीतापुर बनाया गया है। कौशांबी और बलरामपुर के भी जिलाधिकारी बदल गए हैं। दूसरी ओर राजेश कुमार को मिजार्पुर का नया मंडलायुक्त नियुक्त किया गया है। अन्य तबादलों में प्रखर सिंह को वाराणसी का मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) बनाया गया है।

बरेली बवाल: कोर्ट ने मौलाना तौकीर की न्यायिक हिरासत 11 नवंबर तक बढ़ाइ

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई पेशी

संवाददाता

बरेली. बरेली में 26 सितंबर को हुए बवाल के मामले में मुख्य आरोपी इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। मौलाना का ठिकाना फिलहाल फतेहगढ़ सेंट्रल जेल ही रहेगा। मंगलवार को सीजेएम कोर्ट समेत स्थानीय अन्य कोर्ट में 11 मुकदमों की सुनवाई के दौरान मौलाना की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी कराई गई। मौलाना के साथियों को बरेली जेल से लाकर कोर्ट में पेश किया गया। सभी की न्यायिक हिरासत 11 नवंबर तक बढ़ाने का आ-देश कोर्ट ने दिया है। पुलिस ने तर्क दिया है कि मौलाना तौकीर रजा की जमानत से मुकदमों की विवेचना प्रभावित हो सकती है। अभी सभी मुकदमों के विवेचक मौलाना का बयान ही दर्ज नहीं कर सके हैं। इसलिए मौलाना को जमानत न दी जाए। वहीं मौलाना के वकीलों ने बीमारी व स्वास्थ्य के मद्देनजर जेल से बाहर लाने की जरूरत बताई थी।

पांच मुकदमों में मौलाना तौकीर के बयान दर्ज

कोतवाली में दर्ज पांच मुकदमों के विवेचक फतेहगढ़ जेल में जाकर मौलाना तौकीर रजा के बयान दर्ज कर चुके हैं। छठे मुकदमे में दो दिन बाद बयान दर्ज होंगे। सोमवार को दो विवेचक वहां से बयान दर्ज कर लौट आए। अब स्टेशन चौकी प्रभारी गौरव अत्री को वहां जाकर मौलाना तौकीर रजा के बयान दर्ज करने हैं। सीओ प्रथम आशुतोष शिवम ने बताया कि यह क्रम जारी रहेगा।

26 सितंबर को हुआ था बवाल

शहर में 26 सितंबर को आई लव मोहम्मद के समर्थन में मौलाना तौकीर रजा खां के बुलावे पर भीड़ जुटी थी। पुलिस का दावा है कि भीड़ ने दुकानों और वाहनों में तोड़फोड़ की थी। भीड़ पर काबू पाने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा था। आंसू गैस के गोले दागे गए थे। पुलिस के मुताबिक बवाल में 22 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। बवाल के बाद अलग-अलग थानों में पुलिस ने 11 मुकदमे दर्ज किए थे। सभी मुकदमों में मौलाना तौकीर आरोपी है।

प्रो.मुन्ना तिवारी विश्वविद्यालय परिसर में इतिहास, राजनीति विज्ञान, भूगोल एवं संस्कृत विषयों के समन्वयक नामित

कुलपति प्रो. मुकेश पांडेय ने दी नई जिम्मेदारी, शैक्षणिक विकास को बताया प्राथमिक लक्ष्य

देवेश प्रताप सिंह राठौर

झाँसी, उत्तर प्रदेश। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुकेश पांडेय ने विश्वविद्यालय परिसर में संचालित इतिहास, राजनीति विज्ञान, भूगोल एवं संस्कृत विषयों के सुचारू संचालन हेतु प्रो. मुन्ना तिवारी, आचार्य, हिन्दी विभाग को समन्वयक नामित किया है। प्रो. मुन्ना तिवारी का शिक्षण एवं प्रशासनिक अनुभव अत्यंत समृद्ध रहा है। वर्ष 1996 में परास्नातक उपाधि प्राप्त करने के बाद उन्होंने किसान पी. जी. कॉलेज, सेवरही, तमकुहीराज में हिन्दी विभाग की स्थापना की।

तत्पश्चात उन्होंने श्री भगवान महावीर पी.जी. कॉलेज, पावानगर, फाजिलनगर (कुशीनगर) में भी हिन्दी विभाग की स्थापना कर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मार्च 2000 में आयोग से नियुक्त होकर उन्होंने लगभग 18 वर्षों तक उसी संस्थान में कार्य किया। इसके उपरांत वे बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी के हिन्दी विभाग में आचार्य के रूप में जुड़े और विभाग के विकास में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में हिन्दी विभाग ने न केवल अकादमिक बल्कि अनुसंधान के क्षेत्र में भी नई पहचान बनाई। विभागाध्यक्ष के रूप में दो कार्यकाल पूर्ण करने के बाद भी प्रो. तिवारी निरंतर विभागीय प्रगति, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सक्रिय हैं। नई जिम्मेदारी मिलने पर प्रो. मुन्ना तिवारी ने कहा कि यह मेरे लिए विश्वविद्यालय में शैक्षणिक विकास की दिशा में एक नया अवसर है। मैं इसे पूर्ण निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निभाऊंगा ताकि परिसर के विभिन्न विषयों के बीच समन्वय और शैक्षणिक गुणवत्ता को और बेहतर बनाया जा सके। विश्वविद्यालय परिवार ने प्रो. तिवारी को इस नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएँ दीं और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में इन विषयों के समन्वय से शैक्षणिक वातावरण और सशक्त होगा।

13 लाख की ठगी करने वाले चार शातिर अरेस्ट, 'ली कूपर', 'नोबिता' और 'सिंबा' करते थे मदद; जानें मामला

संवाददाता

आजमगढ़। ऑनलाइन प्रोडक्ट की सेल और मार्केट वैल्यू बढ़ाने के नाम पर 13 लाख की साइबर ठगी करने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। थाना साइबर क्राइम पुलिस ने लखनऊ से चार शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से भारी मात्रा में बैंक पासबुक, एटीएम, चेकबुक, मोबाइल और फर्जी दस्तावेज बरामद किए गए हैं। रौनापार थाना क्षेत्र के गांगेपुर गांव निवासी भूपेंद्रनाथ यादव ने साइबर थाना में तहरीर दी थी कि उनके पुत्र को 'वूकॉमर्स' नामक फर्जी कंपनी के टेलीग्राम ग्रुप से जोड़ा गया। कंपनी की वेबसाइट वूऑटोमेटिक डॉट कॉम पर प्रोडक्ट की सेल बढ़ाने के नाम पर अधिक लाभ का झांसा देकर 12,64,249 की ठगी की गई। शिकायत पर थाना साइबर क्राइम में मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू की गई।

इंटरनेट कॉल पर करते थे बातचीत

एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि आरोपी नॉर्मल कॉल नहीं करते थे। वह इंटरनेट कॉल करते थे। किसी भी होटल में गए और वहां वाईफाई से कनेक्ट कर व्हाट्सएप व टेलीग्राम समेत अन्य एप का प्रयोग करते थे। यह लोगों को टेलीग्राम ऐप पर जीएसटी बचाने या ऑनलाइन पार्ट टाइम जॉब और पैसे बढ़ाने के नाम पर लोगों से संपर्क करते थे। बताया कि अपनी पहचान छिपाने के लिए आरोपी वर्चुवल नंबर, फर्जी सिम टेलीग्राम ग्रुप का प्रयोग करते थे।

पुलिस ने किया गिरफ्तार

पूछताछ में आरापियों ने बताया कि वे 'ली कूपर', 'नोबिता' और 'सिंबा' नामक टेलीग्राम आईडी से जुड़े रहते थे, जो विभिन्न राज्यों में साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि को खातों में ट्रांसफर कराते थे। पकड़े गए चार आरोपियों के पास से चार मोबाइल फोन, सात एटीएम कार्ड, दो पासबुक, चार चेकबुक, दो आधार कार्ड और 540 नगद पुलिस ने कब्जे में लिए हैं। पकड़ा गया मुख्य आरोपी शक्ति कपाड़िया लखनऊ जनपद के अलीगंज, कन्नौज जनपद के गुरुसहायगंज थाना क्षेत्र के रौतामई निवासी मोनू, ठठिया थाना क्षेत्र के फकरपुर बरेवा गांव निवासी रोहित कुमार व कोतवाली क्षेत्र के बरका गांव निवासी मोहित कुमार शामिल है।

लालच देकर लोगों के बैंक खाते की लेते थे जानकारी

एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि लालच देकर लोगों से बैंक खाते, पासबुक, एटीएम कार्ड व संबंधित दस्तावेज एक निश्चित कमीशन पर प्राप्त करते थे। उक्त बैंक खातों में ऑनलाइन ठगी से प्राप्त धनराशि ट्रांसफर की जाती थी। इसके बाद उक्त राशि को चेक, एटीएम या यूपीआई के माध्यम से निकालकर नकद में परिवर्तित किया जाता था। निकाली गई रकम यश व सिंबा नामक व्यक्तियों को सुपुर्द की जाती थी।

श्रीकृष्ण लीला महोत्सव में मीरा जी के चरित्र का भावपूर्ण मंचन

भक्ति, समर्पण और कृष्ण प्रेम से सराबोर हुआ दुर्गेश्वर महादेव मंदिर परिसर

संवाददाता

बांगरमऊ (उन्नाव)। नगर के दुर्गेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में चल रहे भगवान श्रीकृष्ण लीला महोत्सव में रविवार की शाम भक्ति और समर्पण की अद्भुत छटा देखने को मिली। इस अवसर पर बाल कलाकारों ने भक्तिमति मीरा जी के चरित्र का अत्यंत मार्मिक मंचन प्रस्तुत किया, जिसने उपस्थित भक्तों को भाव-विभोर कर दिया। वृंदावन के प्रसिद्ध पंडित हीरालाल शर्मा रासलीला मंडल द्वारा प्रस्तुत लीला में दशार्या गया कि मीरा ब्रज की श्यामा गोपी थीं, जिन्होंने कलयुग में जन्म लेकर भगवान श्रीकृष्ण की आराधना में स्वयं को समर्पित कर दिया। मंचन के दौरान मीरा द्वारा गाया गया भजन- मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो कोई ने पूरे वातावरण को भक्ति रस से भर दिया।

कथा के अनुसार, मीरा के ससुराल जाते समय उनकी माता ने कहा – ह्लबेटी, कन्हैया को मुंह मत दिखाना, जो एक बार उनका मुख देख लेता है, वह सदा उनका ही हो जाता है। माता की आज्ञा का पालन करते हुए श्यामा गोपी ने ठाकुर जी के दर्शन नहीं किए। तब श्रीकृष्ण बोले- एक दिन तू मेरे मुख के दर्शन को तरसेगी। जब भगवान ने गोवर्धन पर्वत को उठाया, उस समय श्यामा गोपी ने ठाकुर जी के दर्शन किए और अपनी भूल स्वीकार की। तब श्रीकृष्ण ने कहा- कलयुग में तू मीरा के रूप में जन्म लेगी, और तभी तुझे मैं पूर्ण रूप से प्राप्त होऊंगा। लीला के माध्यम से मीरा के त्याग, समर्पण और कृष्ण प्रेम की गहराई को बड़ी ही सुंदरता से दशार्या गया। अंत में मीरा जी के श्रीधाम वृंदावन पहुँचकर द्वारकाधीश में लीन होने का दृश्य भावनात्मक रूप से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित रविशंकर दीक्षित महाराज द्वारा ठाकुर जी की आरती एवं पूजन से किया गया। लीला समाप्ति पर प्रज्वल शर्मा, वैभव शर्मा, वीर तिवारी, हरिओम तिवारी और सोनू दीक्षित सहित अन्य भक्तों ने व्यवस्था का संचालन किया। दर्शकों ने बाल कलाकारों के अभिनय और संवाद अदायगी की सराहना करते हुए कहा कि इस मंचन ने सभी को मीरा के भक्ति मार्ग का संदेश दिया। सच्चा प्रेम वही जो ईश्वर के चरणों में अर्पित हो।

अब 'उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन' से युवाओं को देश-विदेश में मिलेगा रोजगार : जिलाधिकारी

सरकार ने FICCI, ASSOCHAM और CII के साथ मिलाया हाथ, औद्योगिक विकास और कौशल वृद्धि पर विशेष जोर

देवेश प्रताप सिंह राठौर

झांसी, उत्तर प्रदेश। प्रदेश सरकार ने युवाओं को रोजगार और कौशल विकास से जोड़ने के अपने मिशन को नई दिशा देने के लिए 'उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन' की शुरूआत की है। इस मिशन के तहत झांसी सहित पूरे प्रदेश के लाखों युवाओं को देश-विदेश में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने कलेक्ट्रेट नवीन सभागार में आयोजित ह्लउत्तर प्रदेश रोजगार मिशनह्व की जनपद स्तरीय जिला कार्यकारी समिति की प्रथम बैठक की अध्यक्षता करते हुए योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में भी इस मिशन की जानकारी अधिक से अधिक युवाओं तक पहुँचे ताकि उन्हें सीधे रोजगार से जोड़ा जा सके। जिलाधिकारी ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को गति देना है। प्रदेश सरकार ने इसके लिए FICCI, ASSOCHAM और CII जैसे औद्योगिक संगठनों से साझेदारी की है ताकि उद्योगों में भविष्य के रोजगार अवसरों का खाका तैयार किया जा सके। इस पहल से न केवल युवाओं को रोजगार मिलेगा बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। उन्होंने बताया कि "rojgaarsangam.up.gov.in" . पोर्टल के माध्यम से युवाओं को विभिन्न उद्योगों और संस्थानों से जोड़ा जाएगा। इस पोर्टल पर अधिक से अधिक युवाओं के पंजीकरण के लिए क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, डीआईओएस एवं आईटीआई प्रधानाचार्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जनपद के विभिन्न संस्थानों में कैरियर काउंसलिंग कैम्प आयोजित कर युवाओं को जागरूक किया जाए। प्रभारी जिला सेवायोजन अधिकारी वसीम मोहम्मद ने जानकारी दी कि अभियान के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को नियुक्ति पत्र और प्रमाण पत्र भी वितरित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि रोजगार मिशन से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान के लिए कॉल सेंटर 155330 पर संपर्क किया जा सकता है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जुनैद अहमद, सीओ ट्रैफिक रामवीर सिंह, डीआईओएस रति वर्मा, पीडी आरडीए राजेश कुमार, डीसी मनरेगा शिखर कुमार श्रीवास्तव, बुंदेलखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स सचिव अमित सिंह, सहित श्रम, उद्योग और उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने कहा--उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन से न केवल युवाओं को देश-विदेश में रोजगार मिलेगा, बल्कि प्रदेश के औद्योगिक विक- ास को भी नई गति प्राप्त होगी। हमारा लक्ष्य है कि झांसी सहित पूरे बुंदेलखंड के अधिक से अधिक युवाओं को इस मिशन से जोड़ा जाए।

एक सैकड़ा से अधिक अधिवक्ताओ ने जनपद के पुलिस अधिक्षक से मुलाकाल कर उन्हें वस्तुस्थित से अवगत कराया

डॉ अंशुमान अग्निहोत्री

उन्नाव, उत्तर प्रदेश। बार एसोसिएशन की बैठक में से मात्र 20-25 अधिवक्ताओ की उपस्थित में फोरम के अभाव में मात्र 2-3 अधिवक्ताओं जो आगमी उन्नाव बार एसोसिएशन में सम्मवित प्रत्याशी है के सम्बोधन के बाद अध्यक्ष बार के द्वारा निवर्तमान अध्यक्ष व निवर्तमान महामंत्री के विरुद्ध मनगणन आरोपो के आधार पर प्रथम सूचना रिर्पोट दर्ज किये जाने के सम्बन्ध में निवर्तमान अध्यक्ष सतीश शुक्ला व निवर्तमान महामत्री अरविंद कुमार दीक्षित के नेत्तृव में एक सैकड़ा से अधिक अधिवक्ताओ ने जनपद के पुलिस अधिक्षक से मुलाकाल कर उन्हें वस्तुस्थित अवगत कराया और एक प्रार्थना पत्र भी प्रस्तुत किया जिसमें उन्होने कहा कि सतीश शुक्ला एडवोकेट नि० अध्यक्ष बार एसोसिऐशन उन्नाव है जो उन्नाव बार एसोसिएशन का अध्यक्ष रहा है। वे अपने विगत कार्यकाल में तत्कालीन महामत्री अरविंद कुमार दीक्षित व वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य राकेश शुक्ला के सहयोग से लगभग 250 चैम्बरो के लिये तीन अधिवक्ता भवनो क्रमशः परशुराम अधिवक्ता भवन राजाराव रामबक्श सिंह अधिवक्ता भवन तथा विष्णुगुप्त चाणक्य अधिवक्ता भवन का निर्माण अधिवक्ताओं में आपसी सहयोग से व उनकी धनराशि से गुणवत्ता पूर्वक व स्तरीय निर्मित कराया था। जिसमें किसी भी आवटी अधिवक्ताओ व अन्य अधिवक्ताओ को किसी प्रकार की कोई शिकायत अथवा आपत्ति नहीं है। वर्तमान अध्यक्ष गिरीश कुमार मिश्रा मुझसे तीन चुनाव पूर्व में पराजित हो चुके है। तथा एक चुनाव में मुझसे पीछे रहे है जिसके कारण रजिश मानते हैं। इसी तरह महामंत्री बार अनुज बाजपेयी गाव के होने के कारण वर्ष 2010 में मेरे पिता जी स्व० श्री जटाशंकर शुक्ला के समक्ष ग्राम प्रधान का चुनाव लड़ने के कारण मेरे पिता जी से काफी मतो से पीछे रहने के कारण व भी रजिश मानते हैं आगामी वर्ष 2026 में सम्पन्न होने वाले उन्नाव बार एसोसिऐशन का प्रत्याशी है और पिछले रिकोर्ड को देखते हुए उसका अध्यक्ष निर्वाचित होना सुनिश्चित प्रतीत होता है विगत चुनाव जीतते ही अध्यक्ष व महामंत्री ने एकराय होकर व नि० महामंत्री अरविन्द कुमार दीक्षित के विरूद्ध मनमाने अलोकतांत्रिक तरीके से निलबन कर सदन में बोलने पर रोक तथा निस्कासन व आज मात्र 20 से 25 लोगो की उपस्थित में नि० महामंत्री पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराये जाने का निर्णय लिया है। जो न्यायोचित नहीं है। न्यायहित में उक्त प्रकरण की विधिवत व निष्पक्ष जांच कराकर उचित निर्णय लिया जाना आवश्यक है। अन्यथा उन्हे अपूर्णनीय क्षति होगी। सतीश कुमार शुक्ला यह की बताया कि वह माह जनवरी में सम्पन्न हो रहे बार काउसिल ऑफ उ०प्र० सदस्य पद का प्रत्याशी है। आज पुलिस अधिक्षक से मुलाकात करने वालो में मुख्य रूप से अध्यक्ष सतीश कुमार शुक्ला अभिषेक सचान महामंत्री ललित पाण्डेय श्री ॠतुराज सिंह चौहान राजेन्द्र बाजपेयी, रामनरेश यादव रमेश बाबू द्विवेदी सुनील श्रीवास्तव, विजयभान सिह अशोक चौरसिया सुषमा द्विवेदी अभिनव अवस्थी, शिखा मिश्रा, शुभेन्द्र शुक्ला, सुरेन्द्र मिश्रा ह्रदय नारायण तिवारी सजीव सिंह चौहान, कृष्णा मुरारी मिश्रा, विवेक मिश्रा अशोक द्विवेदी, कल्लू, प्रदीप शुक्ला पिंकू मिश्रा देवेन्द्र अवस्थी सहित एक सैकड़ा से ज्यादा अधिवक्ता मौजुद रहे।

मालिक, प्रकाशक व मुद्रक सुनील कुमार तिवारी द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट नं. ०४, ग्राउंड फ्लोर. एन.के.इंडस्ट्रीयल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नियर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं ०२, गोरेगांव (पूर्व) मुंबई-४०००६३ से मुद्रित व ६१७, बिल्डिंग नं.१४ नियर शिव शक्ति बिल्डिंग, गोलीबार रोड, सान्ताक्रुज़ (पूर्व) मुंबई-४०००५५ से प्रकाशित। संपादक : सुनील कुमार तिवारी, RNI. NO. MAHMUL/2017/74054, संपादकीय कार्यालय- कंटेश्वर सिंह चाल, अपोजीट एकताड़ मंडल, साई बाबा रोड, खार (पूर्व), मुंबई- 400051, Mob.8898271111